नई दिल्ली । रविवार, 31 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :145/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अंडर-18 विमेंस हॉकी एशिया कप : भारतीय टीम ने...
@ साहित्य केसरी हमसफर एक्सप्रेस का वो सफर...
@ व्यापार केंद्र ने पीएम-सेतु योजना के तहत पहले स्ट्रैटेजिक...

परीक्षाओं पर फिर संकट: CUET में गड़बड़ी से लाखों छात्र परेशान

तकनीकी खराबी से कई केन्द्रों पर परीक्षा प्रभावित

कई केन्द्रों पर परीक्षा देर से शुरू, लाखों छात्र प्रभावित

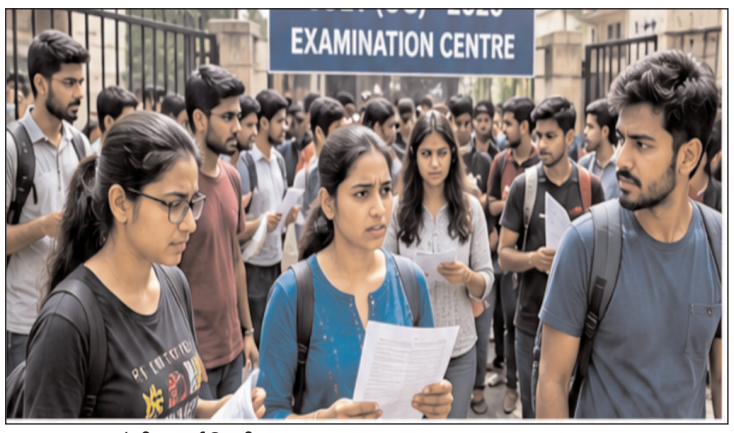

- NTA ने दोबारा मौका देने की घोषणा की
- कई केन्द्रों पर लॉगिन और सर्वर समस्या आई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। दरअसल, शनिवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) अंडरग्रेजुएट (यूजी) 2026 की परीक्षा सुबह 9 बजे से देशभर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जानी थी, लेकिन एग्जाम के पहले दिन ही तकनीकी गड़बड़ी के कारण पहले सत्र की परीक्षा लगभग सवा दो घंटे की देरी से सुबह 11:23 बजे तक भी शुरू नहीं हो पाई।

परीक्षा में घंटों की देरी की वजह से छात्रों सहित उनके माता-पिता में एनटीए के खिलाफ नाराजगी देखी गई। बताया गया कि ऑनलाइन पेपर समय से अपलोड नहीं हो पाया था, जिस वजह से परीक्षा शुरू करने में देरी हुई।

एनटीए ने इसको लेकर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर यह साफ किया कि सीयूईटी यूजी 2026 परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी संभाल रही एजेंसी मेसर्स टीसीएस ने सूचित किया है कि उनकी ओर से तकनीकी खराबी के कारण शनिवार को कुछ केंद्रों पर पहली सत्र की परीक्षा विलंबित हुआ है। हालांकि, समस्या का समाधान हो चुका है और परीक्षा पूर्ण समय सीमा के साथ आयोजित की जा रही है ताकि किसी भी छात्र को असुविधा न हो।

एनटीए ने पोस्ट में आगे लिखा कि सीयूईटी यूजी 2026 के पहली शिफ्ट में हुई देरी के कारण दोपहर के सत्र के समय में बदलाव किया गया है। दोपहर के सत्र के लिए छात्रों का रिपोर्टिंग/प्रवेश समय दोपहर 2:30 बजे से रहेगा। वहीं, परीक्षा प्रारंभ होने का समय दोपहर 3:00 बजे के स्थान पर शाम 4:00 बजे तय किया गया है।

इसी के साथ एनटीए ने साफ किया कि सुबह के सत्र के छात्रों को परीक्षा की पूरी अवधि दी जा रही है और वे परीक्षा पूरी करने के बाद ही केंद्र से बाहर निकल सकते हैं। एनटीए ने पहले सत्र की परीक्षा में हुई देरी और असुविधा के लिए छात्रों और अभिभावकों से खेद व्यक्त किया है।

डीके शिवकुमार कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री होंगे

3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

एजेंसी ■ बेंगलुरु

बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई, इसमें डीके शिवकुमार को दल का नेता चुना गया।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 3 जून की शाम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बैठक में बाद शिवुकमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। नई कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी ष्टरूभी बनाए जा सकते हैं।

शिवकुमार 'सीएम रोटेशनल फॉर्मूला' के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। आज की बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

बैठक में शिवकुमार के प्रस्ताव का समर्थन परमेश्वर ने किया

सभी विधायकों ने मिलकर प्रस्ताव पास किया, इसमें यह तय किया गया कि नए नेता का फैसला कांग्रेस की केंद्रीय लीडरशिप करेगी।

इसके बाद सिद्धारमैया ने खुद डीके शिवकुमार का नाम नए CLP नेता के तौर पर पेश किया। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया, सभी विधायकों ने एकमत से इसका समर्थन किया।

शिवकुमार ने एक प्रस्ताव रखकर सिद्धारमैया का शुक्रिया अदा किया।

बैठक के दौरान सिद्धारमैया, वेणुगोपाल और सुरजेवाला अलग कमरे में चले गए और आपस में बात की। इसके बाद बैठक फिर शुरू हुई और शिवकुमार को नेता चुना गया।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद बाहर आते सुरजेवाला, सिद्धारमैया, वेणगोपाल और डीके शिवकुमार।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद बाहर आते सुरजेवाला, सिद्धारमैया, वेणगोपाल और डीके शिवकुमार।

संक्षिप्त खबर

आज गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल 2026 का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। यह मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा। आरसीबी अपने खिताब की रक्षा करने उतरेगी।

याद दिला दें कि आरसीबी ने आईपीएल 2026 के पहले क्वालीफायर में जीटी को 92 रन से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था। फिर गुजरात ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से मात देकर फाइनल में एंट्री की।

नौतपा के बीच मौसम ने ली करवट: दिल्ली से केरल तक बारिश-आंधी का अलर्ट जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देशभर में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक बड़ा यू-टर्न ले लिया है। दिल्ली-एनसीआर, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, राजस्थान और केरल समेत कई राज्यों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में तेज हवाएं, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं कुछ राज्यों में अभी भी ऊष्ण लहर यानी हीटवेव का असर बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को दोपहर बाद मौसम अचानक बदल गया। सुबह तक तेज धूप और उमस से लोग परेशान थे, लेकिन शाम होते-होते काले बादल छा गए और कई इलाकों में धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। गुरुग्राम में हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई। नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिल्ली में 30 और 31 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली के महरौली में गिरी 5 मंजिला इमारत

कई लोगों के दबे होने की आशंका

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के महरौली में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया है। यहां पांच मंजिला इमारत भराभराकर गिर गई। इसमें कई लोगों के दबने की आशंका है। हादसे के बाद अफरा-तफरी मची गई और मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश कर दी गई। अब तक चार लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि अन्य कई लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। इस बीच एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और इलाके की बिजली भी काट दी गई है।

जानकारी के मुताबिक सैदुलाजाब इलाके में शनिवार रात करीब पौने आठ बजे एक मकान गिरने की कॉल फायर कंट्रोल रूम को मिली। कॉल मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर की टीमें मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू

किया गया। फिलहाल मलवा हटाने का काम चल रहा है। मकान के मलबे में कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है।

दमकल की सात गाड़ियां मौके पर

फायर विभाग की सात गाड़ियां मौके पर हैं। दिल्ली फायर विभाग के अधिकारी अन्य एजेंसियों की मदद से मलबा हटाने का काम कर रहे हैं। मलबे में कितने लोग दबे हैं, फिलहाल इसकी अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है।

जोरदार धमाके की आवाज, आसपास फैला धूल मलबा

जानकारी के मुताबिक मौके से अब तक 4 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है जबकि कई लोगों के अभी भी दबे होने की आशंका है। वहीं बाह निकाले गए लोगों की स्थिति कैसी है, इस बारे में भी अभी कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। इमारत गिरने के बाद आस पास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। इस बीच रेस्कयू ऑपरेशन शुरू होते ही लोग आसपास जमा हो गए। चश्मदीदों ने बताया कि बिल्डिंग के गिरते ही एक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके आसपास के इलाके में धूल और मलबा फैल गया। हादसा किस वजह से हुआ, इस बारे में भी अभी कोई जानकारी नहीं आई है।

अमेरिकी न्यायाधीश ने कैनेडी सेंटर से ट्रंप का नाम हटाने का दिया आदेश

एजेंसी ■ वाशिंगटन

एक अमेरिकी जिला न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जोड़ना गैरकानूनी था। इसके साथ ही जज ने ट्रंप के नाम को दो सप्ताह के भीतर हटाने का आदेश दिया है।

शिन्हुआ एजेंसी के अनुसार, वाशिंगटन स्थित संघीय जिला न्यायालय के न्यायाधीश क्रिस्टोफर कूपर ने अपने आदेश में लिखा कि अमेरिकी कांग्रेस ने आदेश दिया था कि यह केंद्र वाशिंगटन शहर और उसके आसपास के क्षेत्र में 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी का 'एकमात्र राष्ट्रीय स्मारक' होगा। न्यायाधीश ने कहा कि कैनेडी सेंटर के न्यासी बोर्ड ने ट्रंप के नाम पर केंद्र का नाम बदलकर अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। कूपर ने कहा, 'कैनेडी सेंटर के मूल विधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि केंद्र का नाम राष्ट्रपति कैनेडी के नाम पर रखा जाना

चाहिए और बोर्ड के एकतरफा निर्णय के आधार पर इसे कोई अन्य औपचारिक नाम या सार्वजनिक स्मारक नहीं दिया जा सकता। कांग्रेस ने कैनेडी सेंटर को उसका नाम दिया है और केवल कांग्रेस ही इसे बदल सकती है।' कूपर ने ट्रंप प्रशासन को कैनेडी सेंटर को दो साल के लिए बंद करने से भी अस्थायी रूप से रोक दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का संचालन बंद करने का निर्णय 'सूचनाओं की अपर्याप्त और एकतरफा प्रस्तुति' पर आधारित था और इसमें 'अपने वैधानिक दायित्वों की पूरी श्रृंखला और कार्यक्रमों और स्मारक समारोहों पर बंद होने के संभावित प्रतिकूल परिणामों पर विचार नहीं किया गया।'

गुजरात में घुसपैठ और बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हुई : अमित शाह

एजेंसी ■ भुज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा (आईपीबी) से लगे गुजरात के सीमावर्ती एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, गुजरात के डीजीपी सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कच्छ, वाव थराद और पाटन के डीएम और एसपी उपस्थित थे। बैठक में अधिक सुदृढ़ और व्यापक सीमा प्रबंधन की दृष्टि से भारत-पाकिस्तान सीमा पर ऐसे सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, तथा इसमें राज्य सरकार, विशेषकर डीएम और एसपी की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया गया।

बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा

परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है और राज्य में घुसपैठ तथा बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में रेडिकलाजेशन के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागतयोग्य है। पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं। हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन एसओपी तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हर जिले में सुरक्षा समन्वय समूह बनाए जाएं, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक बल, आयकर विभाग, ईडी और लीड बैंक के मैनेजर को शामिल किया जाए। इनकम टैक्स, मनी लॉन्ड्रिंग और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी डीएम, एसपी और आईजी, बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए।

उन्होंने सीमावर्ती जिलों में हवाला ट्रांजैक्शन, लेनदेन, म्यूल अकाउंट, शेल कंपनियों, संदिग्ध वाहनों और जीएसटी कलेक्शन पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराध से निपटने वाली एजेंसियों को सीमा क्षेत्रों के बारे में कड़ाई से सूचित किया जाए और आयकर विभाग, आरबीआई के साथ मिलकर सर्वे की बड़ी मुहिम चलाए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा से निकटता को ध्यान में रखते हुए तटीय सुरक्षा और भारतीय तटरक्षक बल के साथ प्रभावी समन्वय पर जोर देने की आवश्यकता है। वाइब्रेंट विलेजेज के साथ-साथ भारत सरकार और राज्य सरकार की हर योजना का सीमांत गांवों में 100 प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित हो।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी से मारपीट

अंडे फेंके, शर्ट फाड़ी और चोर-चोर के नारे लगाए

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर दक्षिण में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से शनिवार शाम को मारपीट हुई है। वे यहां चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे।

आरोप है कि वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। देखो उन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पहले से प्लान था। इलाके में कोई पुलिस नहीं है। वे मुझे मारना चाहते हैं। हेलमेट की वजह से सिर बच गया। ऐसे हमलों से हम डरेंगे नहीं। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है।

हमले के बाद अभिषेक ने चुनाव के बाद हुई हिंसा में मारे गए टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा- मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा और संसद में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दूंगा। जब तक पुलिस नहीं आती, मैं पीड़ित परिवार को नहीं छोड़ूंगा, नहीं तो लोग उन्हें मार सकते हैं। दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित सोनारपुर बेहत संवेदनशील इलाका माना जाता है। यहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। यहां चुनावों के दौरान और बाद में राजनीतिक हिंसा होती रही हैं।

भतीजे अभिषेक से मिलने अस्पताल पहुंचीं ममता बनर्जी, भाजपा पर साधा निशाना

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को सोनारपुर में टीएमसी महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले और दुर्व्यवहार के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। घटना के बाद ममता बनर्जी कोलकाता के अपोलो अस्पताल पहुंचीं, जहां अभिषेक बनर्जी का इलाज चल रहा है। ममता बनर्जी ने शनिवार शाम सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त पोस्ट साझा करते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, 'शासक अब हत्यारे बन गए हैं। भाजपा, तुम्हें शर्म आनी चाहिए।' इसके साथ उन्होंने टीएमसी की एक पोस्ट और सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले का वीडियो भी साझा किया।

मानसून की दस्तक से मध्य प्रदेश में मौसम बदला, कई जिलों में तेज बारिश

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मध्य प्रदेश में और आगे बढ़ते हुए राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का दौर शुरू कर दिया है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, हालांकि फसलों और बुनियादी ढांचे को नुकसान की आशंका भी बढ़ गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों के लिए कई जिलों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। 30 और 31 मई को मंदसौर और नीमच जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश के साथ बिजली गिरने, ओलावृष्टि और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

इसके अलावा ग्वालियर, दतिया, भिंड, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में भी मौसम के तीव्र बने रहने का अनुमान है। 31 मई से 3 जून के बीच राजगढ़, आगर मालवा, शहडोल, सीहोर, देवास, इंदौर, उज्जैन, झाबुआ समेत राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 30 मई की सुबह 8:30 बजे तक दर्ज आंकड़ों में भिंड जिले के गोरमी में सबसे अधिक 72 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके बाद नरवर में 44 मिमी, नरसिंहपुर के तेंदूखेड़ा में 38 मिमी, बेराड़ में 31 मिमी तथा शुजालपुर और मोहनगढ़ में 29-29 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बालदेवगढ़ में 27 मिमी और निवाड़ी में 25 मिमी बारिश हुई, जबकि कई अन्य क्षेत्रों में 15 से 22 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई। बारिश के साथ तेज हवाओं ने भी असर दिखाया। अशोकनगर में हवा की अधिकतम रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जबकि ग्वालियर और शिवपुरी में 67 किलोमीटर प्रति घंटा तथा सीहोर में 59 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

शिवपुरी, मुरैना, सागर और श्योपुर जिलों में ओलावृष्टि की भी खबर है। वहीं चंबल, ग्वालियर, सागर, उज्जैन, रीवा और शहडोल संभागों के कई हिस्सों में गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, कटनी और डिंडौरी जिलों में भी मौसम सक्रिय बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों के दौरान मानसून के अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल, तमिलनाडु और बंगाल की खाड़ी के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ तथा पाकिस्तान, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक फैली द्रोणिका (ट्रफ) इस मौसमीय गतिविधि को बढ़ावा दे रही है।

प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। नागरिकों को आंधी-तूफान के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, खुले में न रहने, ढीली वस्तुओं को सुरक्षित रखने और पशुओं तथा खड़ी फसलों को ओलावृष्टि व तेज हवाओं से बचाने की सलाह दी गई है। किसानों से भी खेतों में विशेष सावधानी बरतने और बिजली चमकने के दौरान खुले स्थानों पर न जाने को कहा गया है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून की यह शुरुआती सक्रियता प्रदेश में लू की स्थिति को काफी हद तक कम करेगी और कृषि गतिविधियों के लिए भी लाभकारी साबित हो सकती है, हालांकि मौसम विभाग हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

केंद्र सरकार ने 1 जून से 30 अक्टूबर तक कपास के आयात पर सभी सीमा शुल्क किए माफ

नई दिल्ली। मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों के बीच सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से 1 जून से 30 अक्टूबर तक कपास के आयात पर सभी सीमा शुल्कों में अस्थायी छूट दी जाएगी।

आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, इस अस्थायी शुल्क छूट से वस्त्र और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत कम होने की उम्मीद है। इससे निर्माताओं और उपभोक्ताओं दोनों को राहत मिलेगी, साथ ही घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस कदम का घरेलू वस्त्र उद्योग, विशेषकर लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के कपास क्षेत्र में उत्पादन संबंधी बाधाओं, धीमी वृद्धि और गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों को दूर करने के लिए 'कपास उत्पादकता मिशन' (2026-27 से 2030-31) के लिए 5,659.22 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी थी।

यह मिशन सरकार के '5एफ विजन' (फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजार) के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य रोग और कीट प्रतिरोधी उच्च उत्पादकता वाली कपास की किस्मों के बीज विकसित करना, नवीनतम कृषि तकनीकों को बड़े स्तर पर अपनाना और उद्योगों को कम प्रदूषण वाली गुणवत्ता युक्त कपास उपलब्ध कराना है। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाली कपास के निर्यात को भी बढ़ावा देना इसका लक्ष्य है। मिशन का मुख्य फोकस उच्च उपज देने वाले, जलवायु-अनुकूल और कीट प्रतिरोधी बीजों के विकास पर है। इसके अलावा हाई डेंसिटी प्लांटिंग सिस्टम (एचडीपीएस), कम दूरी पर बुवाई, एकीकृत कपास प्रबंधन और एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास को बढ़ावा देने जैसी आधुनिक तकनीकों के विस्तार पर भी जोर दिया जाएगा।

यह मिशन कपास की गुणवत्ता सुधारने के लिए क्षमता निर्माण, जिनिंग और प्रसंस्करण इकाइयों के आधुनिकीकरण, बेहतर प्रसंस्करण पद्धतियों को अपनाने तथा देशभर में आधुनिक और मानकीकृत कपास परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करने पर भी काम करेगा, ताकि गुणवत्ता का विश्वसनीय आकलन और वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

गढ़वा में जनता और अधिकारियों ने मिलकर उठाया नदी की सफाई का बीड़ा

रांची। झारखण्ड के गढ़वा जिले में एक नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए एक युवक की मेहनत रंग लाई। अब अधिकारी और जनता ने जुड़ कर 'आपन सरस्वतिया' नाम का अभियान शुरू किया है।

गढ़वा सदर एसडीएम संजय कुमार की पहल पर सामूहिक सहयोग से प्रारंभ किए गए 'आपन सरस्वतिया' अभियान के दूसरे दिन भी नदी के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई एवं डी-सिल्टिंग का कार्य जारी रहा। दूसरे दिन तीन मशीनों (दो जेसीबी, एक पोकलेन) की मदद से नदी की सफाई कराई गई।

दूसरे दिन का यह अभियान शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी, नगर परिषद तथा 'सिग्नेचर वाटर' के प्रोपराइटर कुंदन यादव समेत अन्य सामाजिक सहयोगकर्ताओं के सहयोग से चलाया गया। नगर परिषद द्वारा दो जेसीबी उपलब्ध कराए गए। साथ ही दो नगर प्रबंधक एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक भी अभियान में सक्रिय रूप से जुड़े रहे। जबकि डीजल की उपलब्धता व्यवसायी कुंदन यादव की ओर से रही।

डीसी ने कहा कि 'आपन सरस्वतिया' नाम देने के पीछे मूल भावना यही है कि गढ़वा शहर के प्रत्येक नागरिक को यह अनुभूति हो कि यह नदी हमारी अपनी धरोहर है तथा इसे बचाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने शहर के अन्य समाजसेवी संगठनों एवं सक्षम लोगों से भी अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह सामाजिक-प्रशासनिक सहभागिता से चल रहा जनअभियान है। ऐसे में प्रतिदिन अलग-अलग प्रायोजकों को आगे आना चाहिए। जो लोग एक दिन के लिए जेसीबी उपलब्ध करा सकते हैं, मशीन का डीजल खर्च वहन कर सकते हैं अथवा अन्य संसाधन उपलब्ध कराना चाहते हैं, वे स्वैच्छिक रूप से आगे आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग स्वत: प्रेरित होकर अभियान से जुड़ रहे हैं तथा जनसहयोग मिलता रहा तो सरस्वतिया नदी की पूर्ण सफाई तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि सरस्वतिया नदी में जानबूझकर कचरा डालने, मिट्टी डालकर नदी का भराव करने या बिल्डिंग मटेरियल डालने वाले लोगों पर न केवल दंड अधिरोपित किया जाएगा बल्कि उक्त कचरा हटवाने का व्यय भी उन्हीं से लिया जाएगा। इस हेतु नगर परिषद को भी जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के मुख्यालय की सुरक्षा के लिए सुषमा स्वराज भवन में सीआईएसएफ की तैनाती

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की गुरुवार को सुषमा स्वराज भवन स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में औपचारिक तैनाती की गई। 90 कर्मियों की स्वीकृत संख्या के साथ सीआईएसएफ ने परिसर में सुरक्षा कर्तव्यों का प्रभार संभाला।

विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (कार्मिक) तरुण कुमार ने सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक, सीजीबीएस जी. शिवकुमार, सुरक्षा ब्यूरो के निदेशक कर्नल मनोज यादव और कमांडेंट (ऑपरेशन) नीरज कुमार के साथ-साथ वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारियों और विदेश मंत्रालय प्रबंधन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीआईएसएफ कोट का उद्घाटन किया। इस तैनाती के साथ भारत के प्रमुख राजनयिक प्रतिष्ठानों में से एक को सीआईएसएफ की पेशेवर सुरक्षा प्रदान की गई है। सीआईएसएफ को देश भर में महत्वपूर्ण सरकारी बुनियादी ढांचे, नागरिक उड्डयन सुविधाओं, परमाणु प्रतिष्ठानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है।

इससे पहले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने शुक्रवार को यहां उत्तरी सेक्टर और हवाई अड्डा सेक्टर में परिचालन तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के लिए एक परिचालन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न इकाइयों के कमांडरों ने भाग लिया, जहां सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने, बेहतर अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और नागरिक उड्डयन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।

सीमावर्ती और रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में उभरती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए यह समीक्षा महत्वपूर्ण है।

बैठक में ड्रोन से संबंधित चुनौतियों, तोड़फोड़ रोधी उपायों और आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं सहित उभरते खतरों के खिलाफ तैयारियों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। निम्न ऊंचाई वाले हवाई खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए, सीआईएसएफ ने भारतीय सेना के सहयोग से अपने कर्मियों के लिए चरणबद्ध ड्रोन-विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। कई विशेष स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम के तहत कर्मियों को शत्रुतापूर्ण मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएवी) का पता लगाने, उनका पीछा करने और उन्हें निष्क्रिय करने की उन्नत क्षमताएं प्रदान की जाती हैं। बैठक में आतंकवाद-विरोधी, त्वरित प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में भारतीय सेना और अन्य एजेंसियों के साथ किए जा रहे संयुक्त प्रशिक्षण पहलों की भी समीक्षा की गई।

मेघालय में 'प्रगति 2026' रक्षा प्रदर्शनी का आगाज मित्र देशों को दिखाई भारतीय हथियारों की ताकत

शिलांग। भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और आधुनिक सैन्य तकनीकों को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मेघालय में बहुपक्षीय रक्षा उद्योग प्रदर्शनी 'प्रगति 2026' की शुरुआत की है।

इस प्रदर्शनी में देश की 52 रक्षा कंपनियां अपने अत्याधुनिक उत्पादों और तकनीकों का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका उद्देश्य मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करना और भारतीय रक्षा उत्पादों के निर्यात के नए अवसर तलाशना है।

मेघालय के उमरोई स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित यह दो दिवसीय प्रदर्शनी 30 और 31 मई तक चलेगी। इसका आयोजन भारतीय उद्योग एवं वाणिज्य महासंघ, भारतीय सेना की पूर्वी कमान और सेना के डिजाइन ब्यूरो के सहयोग से किया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। यह प्रदर्शनी पहली बार आयोजित हो रहे बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'प्रगति' के साथ आयोजित की जा रही है। इस अभ्यास में हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग, विकास और सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भजनपुरा पुलिस ने दो लापता भाई-बहनों को ढूंढ निकाला, माता-पिता को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली की भजनपुरा पुलिस स्टेशन की टीम ने दो लापता नाबालिग भाई-बहनों को सफलतापूर्वक ढूंढ निकाला और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवार से मिला दिया। 25 मई की देर शाम को भजनपुरा पुलिस स्टेशन में दिल्ली के भजनपुरा के सी-ब्लॉक में रहने वाले फल विक्रेता राम नारायण शाह (42 वर्ष) की शिकायत प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि उनके दो बच्चे एक 14 वर्षीय बेटी और एक 11 वर्षीय बेटा 24 मई को सुबह 11:30 बजे से लापता हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए भजनपुरा थाने में धारा 137(2) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई और गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया। इंस्पेक्टर सत्यवान लठवाल के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम (हेड कांस्टेबल कुलदीप, हेड कांस्टेबल सचिन, हेड कांस्टेबल सौरभ और हेड कांस्टेबल कपिल शामिल) ने लापता बच्चों का पता लगाने के लिए प्रयास किया। टीम ने विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र की और उसका विश्लेषण किया, कई सुरागों का पीछा किया और संभावित स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

आवास खाली नहीं करने पर अड़ीं पूर्व सीएम राबड़ी देवी

पटना। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद नए सिरे से सरकारी आवासों का आवंटन किया गया है। अब इसे लेकर सियासत शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को अपना सरकारी आवास खाली नहीं करने पर अड़ गई हैं। उन्होंने सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड खाली करने के सरकारी आदेश को लेकर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने मीडिया से बातचीत में साफ तौर पर कहा कि वे आवास नहीं खाली करेंगी। उन्होंने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को चुनौती देते हुए कहा कि सरकार चाहे तो पुलिस बल का प्रयोग कर सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी निशाने पर लेते हुए कहा, 'वे अभी-अभी मुख्यमंत्री बने हैं। वे फोर्स बुलाकर आवास खाली करवाएं। हम आवास खाली नहीं करेंगे।'

दरअसल, 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी बंगला पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पास लंबे समय से है। नई सरकार ने यह बंगला बिहार सरकार के मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित कर दिया गया है। भवन निर्माण विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार, बंगले का आवंटन नंद किशोर राम के नाम कर दिया गया है। इसके साथ ही बंगले पर नए वीवीआईपी नेमप्लेट लगाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है, जिससे इसके औपचारिक हस्तांतरण का संकेत मिल रहा है।

इससे पहले विभाग ने बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को आधिकारिक नोटिस जारी कर 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया था। यह बंगला बिहार की राजनीति में विशेष महत्व रखता है। वर्षों तक यह आवास पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी से जुड़ा रहा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की कई महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकों, रणनीतिक चर्चाओं और संगठनात्मक गतिविधियों का यह प्रमुख केंद्र माना जाता रहा है।

राज्य सरकार ने राबड़ी देवी को इसके बदले पटना के हार्डिंग रोड इलाके में नया सरकारी बंगला आवंटित किया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह आवास पूर्व मुख्यमंत्रियों को मिलने वाली सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और सरकारी प्रोटोकॉल के अनुरूप पूरी तरह तैयार किया गया है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.29 करोड़ रुपए की साइबर ठगी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.29 करोड़ रुपए की साइबर ठगी से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मजदूरों और अन्य लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर अपराधियों को किराये पर उपलब्ध कराता था, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को ट्रांसफर करने में किया जाता था। पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों ने पीड़ित व्यक्ति को फोन कर स्वयं को ट्राई का अधिकारी बताया था। इसके बाद ठगों ने दावा किया कि पीड़ित के मोबाइल नंबर से अश्लील वीडियो भेजे गए हैं और इस मामले की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच तथा सीबीआई द्वारा की जा रही है।

आरोपियों ने कार्रवाई का भय दिखाकर पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट में रखा और जांच के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 करोड़ 29 लाख 61 हजार 962 रुपए ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

इस प्रकरण में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। साइबर क्राइम पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण और तकनीकी जांच के आधार पर 29 मई को पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार थाना क्षेत्र निवासी 21 वर्षीय आकाश पुत्र नरेश को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी साइबर अपराधियों को प्रत्येक बैंक खाता उपलब्ध कराने के लिए 50 हजार रुपए लेता था।

संक्षिप्त खबरें

एनआईटी रायपुर में 66 करोड़ रुपये से अधिक की नई परियोजनाओं का शुभारंभ

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में गुरुवार को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता तथा सतत विकास से जुड़ी सात महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किए गए। इन परियोजनाओं के माध्यम से संस्थान की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी क्षमताओं को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे ने की। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव, डीन, प्राध्यापकगण, कर्मचारी, छात्र, पूर्व छात्र एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में चार नई सुविधाओं का उदघाटन तथा तीन प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा 'विकसित भारत-2047' की परिकल्पना के अनुरूप उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान गोल्डन टॉवर की दूसरी मंजिल पर लगभग 5,500 वर्गफुट क्षेत्र में विकसित एनआईटी रायपुर एफआईई इनक्यूबेशन सेंटर का उदघाटन किया गया।

महिला एफपीओ बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था का नया आधार सरगुजा में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की नई पहल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश में लगातार नवाचार आधारित पहलें की जा रही हैं। इसी क्रम में सरगुजा जिले के बतौली महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) द्वारा संचालित कृषि सामग्री केंद्र, सिलाई-कपड़ा केंद्र एवं किराना दुकान का शुभारंभ ग्राम बतौली में किया गया। यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और आय संवर्धन के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सरगुजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल थे। इस अवसर पर एफपीओ की अध्यक्ष, सचिव, संचालक मंडल के सदस्य, महिला स्व-सहायता समूहों की प्रतिनिधियां तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल ने नवस्थापित इकाइयों का निरीक्षण किया तथा महिला समूहों द्वारा तैयार एवं प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे चावल, दाल, साबुन एवं अन्य घरेलू उपयोग की सामग्रियों का अवलोकन किया।

रायपुर के कारोबारी अजय का पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हार्ट-अटैक से मौत

रायपुर। रायपुर के कारोबारी अजय सुंदर निहलानी (49) का पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हार्ट अटैक से मौत हो गई है। इस खबर के बाद रायपुर में उनके परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। जल्द ही उनके पार्थिव शरीर को रायपुर लाने के लिए डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है ताकि पार्थिव शरीर का संस्कार किया जा सकें। प्राप्त जानकारी के अनुसार कारोबारी अजय सुंदर भारत से गए 40 सदस्यीय दल के साथ एजुकेशनल टूर पर यूरोप पहुंचे थे। इस दल में रायपुर से दो लोग शामिल थे। यात्रा के दौरान अजय निहलानी की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस खबर के बाद रायपुर में उनके परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। अजय निहलानी के भाई संजय कुमार निहलानी ने बताया कि टूर में अजय के साथ यात्रा कर रहे नीरज बाजपेयी बॉडी लाने के लिए सारी फॉर्मेलिटी पूरी कर रहे हैं। परिवार ने लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, भारतीय दूतावास, एयरलाइन प्रतिनिधियों और अन्य संबंधित एजेंसियों से अनुरोध किया है कि नीरज बाजपेयी को सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने में सहयोग दिया जाए। जिससे पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द रायपुर लाकर अंतिम संस्कार किया जा सके।

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री साय

पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन में निभाई ऐतिहासिक भूमिका

रायपुर। पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अद्भुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। उन्होंने आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब को बधाई देते हुए कहा कि रायपुर प्रेस क्लब देश के पुराने और प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है, जिसका इतिहास समृद्ध और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और पत्रकारों के सम्मान में आयोजित ऐसे कार्यक्रम प्रेस क्लब की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का सशक्त प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। उन्होंने मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने भारतीय सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत रोचक और प्रेरक तथ्य है कि उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें हमारी सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा।

पीएम सूर्य घर योजना बनी बिजली बचत की नई ताकत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के माध्यम से हजारों परिवार स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी ला रहे हैं। जशपुर जिले के कुनकुरी निवासी एवं व्यवसायी प्रभाष कुमार जैन इसकी सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आए हैं।

जैन ने अपने घर की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 5 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कराया है। इस परियोजना पर लगभग 3.50 लाख रुपये की लागत आई, जिसमें उन्हें शासन की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इससे सोलर सिस्टम लगाने की लागत में उन्हें बड़ी आर्थिक सहायता मिली। जैन बताते हैं कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 4 से 5 हजार रुपये तक आता था। सोलर पैनल स्थापित होने के बाद बिजली खर्च में लगातार कमी आ रही है और आने वाले समय में इससे और अधिक बचत होने की उम्मीद है।

महीष ढ़ाबा में शराब बिक्री करते/पिलाते ढ़ाबा संचालक सहित 5 गिरफ्तार, अलग से बात करने वाला टीआई सस्पेंड

रायपुर। गोबरानवापारा स्थित महीष ढ़ाबा में अवैध रूप से शराब बिक्री करते व पिलाने वाले ढ़ाबा संचालक टूम्मन उर्फ लल्ला सोनवानी सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया और इनसे अकेले में बात करने वाले गोबरा नवापारा के थानेदार दीपेश जायसवाल को ग्रामीण एसपी श्वेता सिन्हा ने सस्पेंड कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 बटनदार चाकू भी बरामद किया गया।

कल शाम मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम गोबरा नवापारा के ग्राम कुर्रा स्थित महीष ढाबा में अवैध रूप से शराब की बेचने और पिलाने वालों पर कार्रवाई के लिए गई थी। इस दौरान पाया गया कि ढाबा संचालक टूम्मन उर्फ लल्ला सोनवानी (30), भरत डहरिया (20), विक्की कुर्रे (30), धीरज बघेल (26) व अजय साहू (48) सभी सतनामीपारा गोबरानवापारा के रहने वाले को गिरफ्तार किया। ढाबे की तलाशी लेने पर 44 पौव्वा अवैध शराब, एक लोहे का धारदार बटनदार चाकू भी बरामद किया गया। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से शराब बिक्री की रकम 25,060 रुपये, 5 मोबाइल फोन कुल कीमत लगभग 75,000 रुपए जप्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध थाना गोबरा नवापारा में धारा 34(2), 36 (क) आबकारी एक्ट, 25 आर्म्स एक्ट एवं 3 (5) दर्ज किया गया।

दूसरी ओर इसी मामले में ग्रामीण एसपी श्वेता सिन्हा ने गोबरा नवापारा के थानेदार दीपेश जायसवाल को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई, इलाके में अवैध रूप से सट्टा खिलाने वाले, अवैध गांजा, शराब तस्करों को शह देने की शिकायत पर की गई है। कल ग्रामीण जिले की क्राइम ब्रांच की टीम इन अवैध कारोबारियों पर कार्रवाई के लिए गई थी जहां टीआई दीपेश जायसवाल को इन लोगों से अलग से अकेले में बात करते देखा गया था। इस मामले की जांच के बाद एसपी ने यह कार्रवाई की।

राज्यपाल डेका ने जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जनकल्याणकारी योजनाओं पर दिया विशेष जोर

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज लोकभवन में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पौधा रोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, जैविक खेती, टी.बी उन्मूलन, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि विकास कार्यों के बेहतर परिणाम के लिए अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करना चाहिए और योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संपादित करने पर बल दिया।

राज्यपाल ने गोद ग्राम बिजली में जल संरक्षण को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से सभी शासकीय भवनों तथा प्रधानमंत्री आवासों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया जाए। इसके लिए विस्तृत रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में पुराने डबरियों, चेक डैमों एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण और मरम्मत को प्राथमिकता देने को कहा। साथ ही बड़े किसानों को खेतों में डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने तथा छोटे एवं मध्यम किसानों को भी जल संरक्षण गतिविधियों से जोडने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने रेत के अवैध उत्खनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित खनन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे नदियों की प्राकृतिक स्थिति में सुधार होगा और भूजल स्तर बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

गोदावरी पावर एंड इस्पात के मैनेजर के यहां चोरों ने बोला धावा

रायपुर। टाटीबंध स्थित पार्थिवी पेसिफिक के डाफोडिल ब्लॉक में रहने वाले स्वप्नेश्वर हरिचंदन के घर अज्ञात चोरों ने धावा बोला 5.55 लाख रुपए के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड सिलतरा में मैनेजर का काम करते हुए उनकी पत्नी और बच्चे के साथ गर्मी की छुट्टियां मनाने के लिए ओडिशा स्थित गांव गए हुए थे। हरिचंदन सुबह घर में ताला लगाकर गए हुए थे कि यह घटना घटित हो गई। हरिचंदन की रिपोर्ट पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उसकी तलाश में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिचंदन की पत्नी बच्चे की गर्मी की छुट्टी लगने के कारण ओडिशा स्थित अपने घर गई हुई थी। हरिचंदन रोजाना की तरह सुबह घर में ताला लगाकर गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड सिलतरा ड्यूटी पर गए थे। दोपहर करीब 3 बजे लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो बेडरूम में रखी गोदरेज अलमारी और लॉकर भी टूटा हुआ मिला। इसके बाद हरिचंदन ने आमानाका पुलिस को इसकी सूचना दी और सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरु की।

हरिचंदन ने पुलिस को बताया कि चोरों ने सोने की अंगूठियां, मंगलसूत्र, 6 जोड़ी बालियां, बच्चे का सोने का कड़ा, लॉकेट, चूड़ियां, चांदी की पायल, बिछिया, चांदी की कटोरी-चम्मच, सिक्के और 5 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

रायगढ़ में सुरक्षित है नाड़ी विज्ञान और आयुर्वेद का अद्भुत ज्ञान भंडार

सेमी पत्ते के रस से उभरते हैं सदियों पुराने अक्षर

रायपुर। आधुनिक तकनीक और डिजिटल युग के बीच भारत की हजारों वर्ष पुरानी ज्ञान परंपरा आज भी ताड़ पत्रों में जीवंत है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में संरक्षित दुर्लभ ताड़ पत्र पांडुलिपियां न केवल आयुर्वेद और नाड़ी विज्ञान की विलक्षण विरासत को संजोए हुए हैं, बल्कि भारतीय चिकित्सा परंपरा के उस अद्भुत अध्याय को भी सामने लाती हैं, जिसने सदियों तक मानव जीवन को दिशा दी। इन पांडुलिपियों की सबसे अनोखी विशेषता यह है कि इनमें लिखे अक्षर सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देते। सेमी के पत्तों के रस के प्रयोग से प्राचीन अक्षर उभरकर स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं।

भारत सरकार द्वारा संचालित ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत रायगढ़ जिला प्रशासन इन अमूल्य धरोहरों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। प्रशासन की टीम जिले में विभिन्न स्थानों पर संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें संरक्षित करने में जुटी है। इसी क्रम में टीम रायगढ़ के कोतरा रोड स्थित उस स्थान तक पहुंची, जहां प्रख्यात नाड़ी वैद्याचार्य स्वर्गीय पंडित विश्वनाथ मिश्रा से जुड़ी दुर्लभ ताड़ पत्र पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित रखी गई हैं। स्वर्गीय पंडित विश्वनाथ मिश्रा अपने समय के प्रसिद्ध नाड़ी वैद्याचार्य थे। वे रायगढ़ रियासत के राजा चक्रधर सिंह के नवरत्नों में शामिल थे तथा राजकीय वैद्य के रूप में अपनी सेवाएं देते थे। कहा जाता है कि वे इन्हीं ताड़ पत्र पांडुलिपियों के आधार पर लोगों की नाड़ी जांच कर रोगों का उपचार करते थे। इन पांडुलिपियों को आज भी उनके परिवार द्वारा अत्यंत सावधानी और श्रद्धा के साथ सुरक्षित रखा गया है। पंडित विश्वनाथ मिश्रा के सुपुत्र पीतांबर मिश्रा ने बताया कि ये पांडुलिपियां पूर्णतः आयुर्वेद और नाड़ी विज्ञान से संबंधित हैं तथा उडिया भाषा में लिखी गई हैं। उन्होंने कहा कि इन ताड़ पत्रों पर अंकित अक्षर सामान्य रूप से दिखाई नहीं देते। इन्हें पढने की एक विशिष्ट पारंपरिक पद्धति है, जिसमें ताड़ पत्रों पर सेमी के पत्ते का रस लगाया जाता है।

अबूझमाड़ के घने जंगलों से निकलकर शहर तक पहुंची वय वंदना योजना, 1530 पात्र बुजुर्गों के बने कार्ड

रायपुर। अदम्य इच्छाशक्ति, सेवा का अटूट संकल्प और दुर्गम पहाड़ियों को लांघने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं रह जाता। नारायणपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग ने कुछ ऐसा ही कमाल कर दिखाया है। कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में, विभाग ने घोर नक्सल प्रभावित और दुर्गम अबूझमाड़ के अंतिम छोर पर बैठे बुजुर्गों तक पहुंचकर 100 फीसदी वय वंदना कार्ड बनाने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिले के सभी 1530 पात्र हितग्राहियों को इस योजना का शत-प्रतिशत लाभ दे दिया गया है।

यह सिर्फ एक प्रशासनिक आंकड़े की बाजीगरी नहीं, बल्कि अबूझमाड़ के उन वनांचलों तक सरकार की संवेदनशीलता को पहुंचाने की एक जीवंत दास्तान है, जहाँ कभी कदम रखना भी चुनौती माना जाता था।

नारायणपुर जिला अपनी भौगोलिक विषमताओं और लंबे समय से नक्सल प्रभावित होने के कारण हमेशा से बेहद संवेदनशील रहा है। अबूझमाड़ के कई अंदरूनी इलाके ऐसे हैं, जहाँ आज भी आधुनिक सुविधाएं और मोबाइल नेटवर्क कोसों दूर हैं। वय वंदना कार्ड बनाने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया की जरूरत थी, लेकिन नेटवर्क न होना इस राह का सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

कहानी

हमसफ़र एक्सप्रेस का वो सफ़र

डॉ. योगिता जोशी

31 मई 2022 – एक साधारण-सी तारीख, पर उसी दिन एक असाधारण कहानी ने जन्म लिया था।

रात का सन्नाटा था। घर के अपने कमरे में राधिका खिड़की के पास बैठी थी। बाहर हल्की हवा बह रही थी, और भीतर मन में अनगिनत विचारों का कोलाहल। जीवन अपनी तय रफ्तार से चल रहा था, लेकिन भीतर कहीं एक खालीपन था—कुछ अनकहा, कुछ अनसुना।

उसी समय मोबाइल की स्क्रीन पर एक नाम चमका— 'उत्पल'।

वह उस समय हमसफ़र एक्सप्रेस में सफ़र कर रहे थे।और राधिका अपने ही कमरे में, अपने ही विचारों के बीच। दोनों के बीच लगभग बीस साल का अंतर था—उम्र का, अनुभव का, जीवन के पड़ावों का।

फिर भी, उस रात न जाने क्या हुआ कि एक साधारण-सी 'बधाई' ने एक अनोखी यात्रा की शुरुआत कर दी। राधिका सोशल मीडिया के माध्यम से उत्पल के काम से परिचित थी.वह अपने शहर में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में काफी नाम कमा रहे थे इसलिए दिल्ली में उन्हें समाज सेवा का विशिष्ट सम्मान स्वर्ण कमल से सम्मानित किया था।और वही सम्मान लेकर उत्पल लौट रहे थे।राधिका से रहा नहीं गया इसलिए उसने मैसेंजर में बधाई का संदेश भेज दिया।बस इतना ही लिखा 'बधाई।एक अपरिचित नाम को देख उत्पल कुछ देर के लिए ठिठके,फिर उन्होंने राधिका की प्रोफाइल देखी तो लगा यह शिक्षिका गंभीर प्रकृति की है,इसलिए उन्होंने जवाब में लिखा 'धन्यवाद!'

और उसके बाद से बातचीत का सिलसिला चल पड़ा।

'सफ़र कैसा चल रहा है?' राधिका ने पूछा।

'ट्रेन चल रही है... और शायद ज़िंदगी भी किसी नए मोड़ की ओर. ' उत्पल का जवाब आया। उस एक वाक्य में कुछ था—कुछ ऐसा, जो सीधे दिल तक उतर गया।

चैटिंग का सिलसिला शुरू हुआ।बातें पहले सामान्य थीं—सफ़र, मौसम, किताबें, जीवन की छोटी-छोटी बातें। लेकिन धीरे-धीरे शब्द गहराने लगे।

जैसे दो अजनबी नहीं, दो आत्माएँ संवाद कर रही हों।

ट्रेन की रफ्तार बढ़ती जा रही थी...

रात गहराती गई। हमसफ़र एक्सप्रेस अंधेरे को चीरती हुई आगे बढ़ रही थी और इधर दो अजनबी शब्दों के सहारे एक-दूसरे के करीब आते जा रहे थे। उत्पल ने खिड़की से बाहर का दृश्य भेजा—भागती हुई रोशनियाँ, अंधेरे खेत और दूर कहीं झिलमिलाते छोटे-छोटे स्टेशन।

'सफ़र में रातें हमेशा भावुक बना देती हैं,' उन्होंने लिखा।

राधिका ने जवाब दिया— 'क्योंकि रात में इंसान दुनिया से नहीं, अपने मन से बात करता है।'

उस रात दोनों ने समय का ध्यान ही नहीं रखा।

घड़ी में कब दो बजे, कब तीन—कुछ पता नहीं चला।अचानक उत्पल का संदेश आया— 'आपसे बात करके ऐसा लग रहा है जैसे इस सफ़र में मैं अकेला नहीं हूँ।'

राधिका कुछ क्षण चुप रही।फिर उसने लिखा— 'कुछ सफ़र ऐसे होते हैं, जो साथ होने का एहसास दे ही देते हैं... चाहे दूरी कितनी भी हो।'

उस रात समय जैसे ठहर गया था।

घंटों की बातचीत कब एक एहसास में बदल गई, पता ही नहीं चला।

वैसे दोनों जानते थे—यह रिश्ता आसान नहीं है।

समाज की परिभाषाएँ, उम्र का अंतर, जीवन की अपनी-अपनी ज़िम्मेदारियाँ—सब कुछ उनके सामने था।..लेकिन उस रात जो जुड़ाव का क्या करें, जो उस रात हुआ वह इन सब सीमाओं से कहीं ऊपर था।

दिन बीतते गए...चैटिंग अब रोज़ का हिस्सा बन गई।

सुबह की 'गुड मॉर्निंग' से लेकर रात की 'टेक केयर' तक—हर शब्द में अपनापन घुलने लगा।

राधिका अब स्कूल में भी अनायास मुस्कुरा देती।

बच्चे पूछते— 'मैम, आज आप बहुत खुश लग रही हैं।'

वह सिर्फ मुस्कुरा देती।

राधिका ने अपने संघर्ष बताए—ज़िम्मेदारियाँ, टूटे विश्वास, अधूरे सपने और वह खालीपन जिसे वह वर्षों से अपने भीतर ढो रही थी। उत्पल ने भी अपने अकेलेपन को शब्द दिए। उन्होंने बताया कि लोगों के बीच रहकर भी कई बार उन्हें ऐसा लगता है जैसे कोई उन्हें सच में समझता ही नहीं।

उनकी बातचीत अब सिर्फ शब्द नहीं रही थी—वह एक सहारा बनती जा रही थी।

कई बार दोनों घंटों तक सिर्फ कविता भेजते रहते।

राधिका और उत्पल ने एक-दूसरे के जीवन के सुख-दुख साझा किए।

राधिका ने उन्हें अपने मन की उन बातों से रू-ब-रू कराया, जिन्हें उस ने कभी किसी से नहीं कहा था।

और उधर उत्पल ने भी अपने भीतर के अकेलेपन को राधिका के सामने खोल दिया। धीरे-धीरे दोनों को एहसास होने लगा कि यह रिश्ता सामान्य नहीं रहा। यह मित्रता से कहीं आगे बढ़ चुका था।

लेकिन साथ ही एक डर भी था।

दोनों के बीच लगभग बीस साल का अंतर था। जीवन के अनुभव अलग थे, परिस्थितियाँ अलग थीं, समाज की सीमाएँ अलग थीं।

राधिका कई बार खुद को रोकना चाहती।

वह सोचती— 'यह सही नहीं है। लोग क्या कहेंगे?'

लेकिन जब भी वह दूरी बनाने की कोशिश करती, उत्पल का एक संदेश उसके सारे तर्क तोड़ देता।

समय बीतता गया।

अब दोनों एक-दूसरे की आदत बन चुके थे।

31 मई — यह तारीख अब राधिका की डायरी में सिर्फ एक दिन नहीं थी, बल्कि उसके जीवन का सबसे सुंदर अध्याय बन चुकी थी। उधर उत्पल भी बदल रहे थे।जो व्यक्ति हमेशा दूसरों के लिए जीता था, जिसने अपना जीवन समाज सेवा में झोंक दिया था, वह अब पहली बार अपने लिए भी जीना सीख रहा था।

राधिका को साहित्य से बेहद प्रेम था। वह कविताएँ और कहानियाँ लिखती थी, लेकिन उन्हें कभी गंभीरता से नहीं लिया। उसे लगता था कि उसकी रचनाएँ बस उसकी निजी दुनिया तक सीमित हैं।

एक रात उत्पल ने उसकी लिखी एक कविता पढ़ी और देर तक कोई संदेश नहीं भेजा।

राधिका घबरा गई।

'अच्छी नहीं लगी क्या?' उसने पूछा।

कुछ देर बाद जवाब आया— 'इतनी सुंदर थी कि कुछ देर शब्द ही नहीं मिले।'

उसके बाद उत्पल ने लंबा संदेश लिखा— 'तुम्हारी लेखनी सिर्फ शब्द नहीं लिखती, भावनाएँ जीवित कर देती है। तुम्हें लिखना कभी बंद नहीं करना चाहिए।'

उस रात राधिका बहुत देर तक रोती रही।

क्योंकि वर्षों बाद किसी ने उसके भीतर छिपी उस स्त्री को पहचाना था, जो हमेशा दूसरों के लिए जीती रही थी।

धीरे-धीरे उत्पल उसकी ताकत बनते गए।

समय के साथ दोनों का रिश्ता और गहरा होता गया।

उत्पल जब किसी कार्यक्रम में जाते, सबसे पहले तस्वीर राधिका को भेजते। राधिका जब कोई कविता लिखती, सबसे पहले उत्पल को सुनाती।

दोनों के बीच एक अजीब-सा विश्वास जन्म ले चुका था. दोनों को एहसास हुआ—यह सिर्फ बातचीत नहीं रही... यह प्रेम है, जो पहले बीज बना और धीरे-धीरे फलदार पेड़ बन गया।

दोहा-ग़ज़ल

डॉ. जौहर शफियाबादी

दिल के अन्दर चोर बा, मुँह पर बा मुस्कान।
ओढ़ के चोला संत के, घूमत बा शैतान।।

उजड़ल खोता सामने, अंडा पर बा साँप।
सारा चकनाचूर बा, पंक्षी के अरमान।।

लौट के पंछी आ गइल, होखत बा गदबेर,
ई सुख ऊ ना पा सकी, द्यहीन-विरान ।

के विपदा में बा घिरल, कब सोंची इंसान,
मानवता के नाम पर, राखी मान-सम्मान।

अँखियन में उम्मीद के, सिसकत बाटेदीप,
धरती पर बा स्वार्थ के, बारूदी तूफान।

नीति-धरम कहवाँ गइल, जौहर के ईमान,
बाहर से जगमग लगे, भीतर से सुनसान।

लघुकथा — पक्का बना मकान

डॉ सरोज दुबे विधा

बरसों पुराने कच्चे घर की आखिरी खपरेल आज उतर रही थी। रामदयाल आँगन में खड़े नए पक्के मकान को गर्व से देख रहे थे। चमचमाती टाइलें, ऊँची दीवारें और लोहे का बड़ा फाटक सब कुछ वैसा ही था जैसा उन्होंने शहर से लौटे बेटे की इच्छा पर बनवाया था।

गाँव वाले देखने आते और तरीफ़ करते,-- 'वाह अब तो शहर जैसा घर बन गया।'

लेकिन रामदयाल की आँखें बार-बार सूने आँगन पर टिक जातीं। कभी इसी आँगन में शाम ढले पड़ोसी जुटते थे, बच्चे हँसते थे, और चूल्हे की आँच पर रिश्ते पकते थे। अब बेटा ऊपर वाले कमरे में मोबाइल पर व्यस्त रहता, बहू दरवाज़ा बंद रखती और पोता दादा से ज्यादा पालतू कुत्ते से खेलता।

रामदयाल ने पुराने नीम के कटे ठूँठ को सहलाते हुए पत्नी से कहा,-- 'घर तो पक्का हो गया पर रिश्ते कच्चे रह गए।'

रायपुर, छत्तीसगढ़

कविता — पीर पर्वत-सी

द्रौपदी साहू

इंसान कितना भी
पढ़ा-लिखा क्यों न हो!
उसके पास
चाहे कितनी ही बड़ी
डिग्रियाँ क्यों न हो !
किसी बड़े पद पर
वह आसीन क्यों न हो!
किंतु सर्वप्रथम
वह एक मनुष्य है।
उसे परिस्थितियाँ प्रभावित करती हैं।
एक हद तक वह पीड़ा सहता है।
अपने-आपको अनुशासित रखता है।
लेकिन जब पीर पर्वत सी हो जाती है,
तो धीरज धराशायी हो जाता है।
मन का भार
आँखों में अश्रु बनकर
छलकने लगते हैं।
आशाओं का दीप
बुझा-बुझा सा लगता है।
तब जी करता है कि
जीवन नष्ट ही कर लें!
इच्छाएँ मर सी जातीं हैं।
निराशा इतनी बलवती हो जाती है
कि उसका संभलना कठिन हो जाता है।
ऐसे में अगर और दुःख आ जाये,
तो बची-खुची जिजीविषा भी
समाप्त हो जाती है।
इस समय उसे
सहारे की आवश्यकता होती है।
ये पल ठीक वैसे ही है
जैसे विशाल समुद्र के बीच
डूबती कश्ती में सवार व्यक्ति
कुछ सोचने-समझने में असमर्थ हो जाता है।
यदि उसमें तैरने की कला
और सामर्थ्य है
तो वह तब तक तैरता है
जब तक किनारा न मिल जाए
या कोई सहारा न मिल जाए।
किनारा और सहारा
दोनों ही उसके लिए महत्त्वपूर्ण है।
इसके बिना उसका बच पाना संभव नहीं!

छुरी कला, कोरबा, छत्तीसगढ़,
मो.नं. 8827020265
ई-मेल - dropadisahu-jiw@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

स्मृति और संबंध का वितान तानती कविताएं

डॉ. करुणा सिंधु

अपूर्वा का कविता संग्रह 'स्मृति नाद' 45 कविताओं और कुछ साहित्यिक पत्रों के द्वारा 119 पृष्ठों में बंधा हुआ है, जिसकी कविताएं परिवार और संबंधों की डोर को कस कर पड़े हुए हैं। यह पारिवारिक संवेदनाओं और संबंधों की डोर ही संस्कृति के केंद्र बिंदु तक ले जाती है जहां से वह पल्लवित होती है। स्मृति नाद की कविताएं मनुष्य जीवन की निराशा में पारिवारिक संबंधों द्वारा जीवन में कुछ जोड़ने, उनमें कुछ खोजने और कुछ विराटता के अनुभव को पा लेने का प्रयास है ।ये कविताएं कोमल शब्दों के माध्यम से वही निश्छलता टटोलती हैं जो कभी पिता माता, कभी नाना नानी,कभी भाई और भाभी तो कभी पति और भतीजे सात्विक के प्रेम में व्याप्त है। किसी भी परिवार के चक्र के अंदर कई संबंधों के चक्र निरंतर अलग-अलग घूमते रहते हैं। अपूर्वा ने परिवार के चक्र के अंदर पिता की मृत्यु के बाद पुत्री की स्मृतियों में पिता के लिए जो कारुणिक पुकार लगाई है , वह अत्यंत मर्मस्पर्शी है। ये कविताएं कभी,मां के वात्सल्य में निहित मैत्री भाव को पकड़ती हैं तो कभी मिसरी जैसी मीठी ननिहाल की दीवारों में रहते नाना नानी के जीवन में पकते हुए वात्सल्य को देखती हैं। दांपत्य प्रेम के सौंदर्य ने कविता को अपूर्व ताजगी प्रदान की है। कविताओं में जब कभी पति के साथ कहे और अनकहे शब्दों को सुनना हो तो घूमते हुए संबंधों के छोटे-छोटे चक्र में जब कान लगाएंगे तो यह स्मृति नाद सुनाई पड़ेगा ।कविताएं निरंतर अमरबेल की तरह इस पृष्ठ से उस पृष्ठ पर बढ़ती चली जाती हैं। शब्दों के माध्यम से इन कविताओं में जो कहा गया है वह तो स्पष्ट है ही पर जहां शब्दों की जगह मात्र मौन है ,वही इन कविताओं का सबसे बड़ा नाद है जो एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति के बीच निर्वात में बहता है।

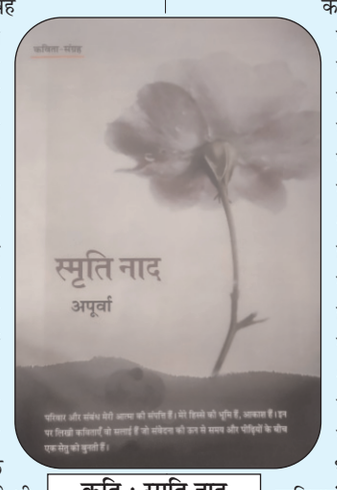

कृति : स्मृति नाद
कवयित्री : अपूर्वा
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन,जयपुर
मूल्य : 199 रुपये

जून 1966 में रेडियो बेलग्रेड में अज्ञेय का एक वक्तव्य प्रसारित हुआ था, उसमें अज्ञेय ने कहा था कि कविता भाषा में नहीं होती, वह शब्दों में भी नहीं होती, कविता शब्दों के बीच की नीरवताओं में होती है और कवि सहजबोध से जानता है कि उससे दूसरे तक पहुंचा जा सकता है ।उससे संलाप की स्थिति पाई जा सकती है, क्योंकि वह जानता है कि मौन के द्वारा भी संप्रेषण हो सकता है। जैसे कविता संग्रह में 'पीछे छूट जाता है' कविता में अपूर्वा कहती है...फिसल जाती है /हवा में हिलते/ड्राइंग रूम के पर्दों की छुअन/इसी तरह एक दूसरी कविता 'मां गंगा सी बहती रहती है' में अपूर्वा ने कहा है....मां रम जाती है भीतर कहीं /गंगा सी बहती रहती है।

इन पंक्तियों में जो छिपी हुई अर्थ छवियां हैं, वही कविता की असली ताकत है। 'पिता का जाना'शीर्षक कविता में.... उनके चले जाने के बाद/पीछे छूटी बेटी को कौन समझ पाया है। यहां 'छूटी' शब्द में जो व्यंजना निहित है,वह बहुत गहरी व्यंजना है और संवेदनशील पाठक ही वहां तक पहुंच सकता है। पिता पर बहुत ही मर्मस्पर्शी कविताएं संग्रह में हैं। 'संग्रह की और कविताएं जैसे 'छूट चुकी सड़क पर'', ननिहाल,प्रेम:तीन' 'अब भी', आदि ऐसी ही कविताएं हैं जहां यह मौन गूंजता है बार-बार।

स्मृतियों का लौटना मात्र क्रिया ही नहीं है। यह लौटना समूचे प्रेम का आत्मा में बहुत गहराई से धंस जाना है।

'ननिहाल'कविता में/पास और दूर के दो चश्मे

हमेशा केस में रखे हुए.....चश्मे रखे जाने की एक साधारण घटना या क्रिया मात्र नहीं है। यह उस पीढ़ी का अनुशासन है, व्यवस्था है और पारस्परिक सहयोग है जिससे आज की पीढ़ी बहुत दूर है और जिसे अपूर्वा ने बहुत ही सरल शब्दों में व्यक्त कर दिया है। संवेदनाओं की आंच में पकी हुई ये कविताएं बताती हैं कि संवेदना का आकाश जितना विशाल होगा, उतना ही साहित्य ऊंचा और ग्रहणशील होगा। कवयित्री की संवेदना कभी रेड लाइट पर गजरे बेचते कत्थई कमीज़ वाले लड़के के साथ होती है तो कभी सरवण भवन के बाहर अल्पना बनाती नौ साल की अपर्णा के साथ हो लेती है।

पंखा बेचती अखरोट के रंग की आंखों वाली लड़की का जो बिंब अपूर्वा ने अपनी कविता में रचा है, वह महानगरीय व्यवस्था के अंतर्विरोधों को व्यक्त करता हुआ निराला की तोड़ती पत्थर कविता की भी याद दिला देता है।

285/391 करेहटा, नया शिव मंदिर
ऐशबाग, लखनऊ मो. 9839232349

व्यंग्य

आत्मनिर्भर भारत का नौलखा हार

श्रद्धा जलज घाटे

मां ने आवाज लगाई, 'कंचन, मेहंदी के कोन लेने जा रही हो, दो-चार सब्जियां भी लेती आना।'

'ठीक है ' कहकर कंचन बाजार के लिए निकल गई।

कंचन के घर में उत्सव का माहौल है। हो भी क्यों न? उसकी शादी कस्बे के 'स्वर्णिम ज्वेलर्स' के इकलौते वारिस, हेमराज से तय हुई है। मोहल्ले की सहेलियाँ छेड़तीं, 'अब तो तू सोने के मग में चाय पियेगी!' कंचन भी कल्पनाओं में अपनी 'गोल्डन' जिंदगी के ख्वाब बुन रही थी।

लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। आज जब कंचन बाजार पहुंची, नुक्कड़ पर, तिरपाल के नीचे एक पुरुष बड़ी एकाग्रता से भिंडी तौल रहा था। बड़ी भिंडी हटाकर छोटी रखता, मानो ग्राम-ग्राम का हिसाब लगा रहा हो। एक ग्राहक ने चुटकी लेते हुए कहा, 'भैया, क्या सुनार की तरह तौल रहे हो?'

सब्जी वाले ने मुस्कुराकर सिर उठाया और बोला, 'साहब, पेशे से तो मैं सुनार ही हूँ। आदत पड़ी हुई है। भिंडी 24 कैरेट की है।'

कंचन के पैरों तले जमीन खिसक गई। सामने उसके होने वाले ससुरजी थे और बगल में टमाटरों के बीच, माणिक सा चमकता युवक हेमराज, उसका मंगेतर।

'यह सब क्या है?' कंचन की आवाज में हैरानी और परेशानी थी।

ससुरजी ने अपना चश्मा ठीक किया और दार्शनिक भाव से बोले, 'देखो बेटा, तिजोरी में बंद सोना तो कोमा में पड़ा धन है। समझदारी तो उसे बाजार के वेंटिलेटर पर लाने में है। हॉल मार्किंग लाइसेंस के लिए फाइल भटकती रही और अब सोने पर नया टैक्स लगने से वो इतना महंगा हो गया है कि ग्राहक भाग गए हैं। हवा का रुख बदलते ही हमने भी दुकान का तख्ता बदल लिया। 'कंचन अभी सदमे से उभरी भी न थी कि ससुर जी ने मूली को किसी नीलम की तरह रोशनी में चमकाते हुए कहा, 'हैरान मत हो बेटा। कल तक 'गोल्ड एक्सचेंज' था, अब 'गोभी एक्सचेंज' चलाएंगे।'

हेमराज ने भी सब्जी के थैले को किसी पदक की तरह कंधे पर टिकाया और बोला, 'पैसा जब खेत और बाजार के बीच घूमता है तभी किसान और देश आगे बढ़ता है। हम कल फिर सुनार बनेंगे... कंचन, बस समय साथ दे दे।'

'लेकिन मेरी शादी के गहने? क्या मैं बिना हार के फेरे लूंगी?' कंचन ने रुआँसे स्वर में पूछा।

?ससुर जी ने गंभीरता से उत्तर दिया, 'शादी तो होगी, पर 'नए भारत' के अंदाज में।'

?हेमराज उत्साह से चहका, 'चिंता क्यों करती हो कंचन? तुम्हारे लिए एक्सक्लूसिव और ऑर्गेनिक ज्वेलरी डिजाइन करेंगे। हरी मिर्च के झुमके और सेमफली का नौलखा हार। पूरी तरह 'स्वदेशी और अद्वितीय'। जैसे हल्दी फूलों के गहनों में होती है, वैसे ही विवाह सब्जी के गहनों में होगा। फेरों के बाद... सीधे कढ़ाई में... । इसे कहते है - 'शून्य बर्बादी: शुद्ध देश प्रेम'।'

?पल भर के लिए कंचन को लगा कि उसका संसार उजड़ गया है। उम्मीदों का शेयर बाजार सीधे 'लोअर सर्किट' पर! सोने से सीधे सब्जी! ये तो मेरा अपमान है। नौलखा हार के सपने बचपन से देखे थे। पर हेमराज से भी तो प्यार है। कार्ड्स बँट चुके हैं। शादी तोड़ दी तो दुनिया थू-थू करेगी कि सुनार दिवालिया हो गया इसलिए

तोड़ी। अगर हरी मिर्च का झुमका पहना तो सहेलियां जीते जी मार डालेंगी। उनसे भी तो वाह-वाही चाहिए।

सहसा उसकी 'कूटनीतिक मध्यमवर्गीय बुद्धि' जागी। उसने तय किया कि इस 'कड़वी मजबूरी' को ही क्यों न एक 'महान फैसले' का रूप दे दिया जाए! वह समझ गई थी उसका होने वाला ससुराल तो पक्के अर्थशास्त्रियों और देशभक्तों का है।

कंचन ने अपने चेहरे के 'मजबूरी के आंसुओं' को पोंछकर 'दिखावे के गर्व' का नकाब ओढ़ा और सहेलियों को तुरंत फोन लगाकर बनावटी दृढ़ता से कहा, 'सुनो!मेरी शादी में चांदी के सिक्के नहीं, इलाहाबादी अमरूद बांटे जाएंगे। गहने ऑर्गेनिक होंगे और मेरी अनूठी शादी 'आत्मनिर्भर भारत योजना' में सबसे बड़ी केस स्टडी बनेगी।'

हेमराज सब्जी के थैलों के बीच उसी चमक के साथ खड़ा था। कंचन ने करीब जाकर हंसते हुए पूछा, 'सुनो, ये सब्जी शादी के बाद भी 24 कैरेट रहेगी न...? और हां, अपने इस 'गोभी एक्सचेंज' का IPO कब ला रहे हो? इस पर भी जीएसटी लग गया तो क्या करोगे? सांसों का एक्सचेंज...?'

कंचन ने कह तो दिया, पर वह खुद ही नहीं समझ पा रही थी कि हँसते-हँसते वह भीतर से रो क्यों रही है?

(परिचय - रूस्. रसायनशास्त्र. 34 वर्ष भारतीय स्टेट बैंक में सेवाएं देने के पश्चात स्वैच्छिक सेवानिवृति ली। 40 से अधिक विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित हैं।

द्वारा डॉ. पदम घाटे,अरिहंत पैथोलॉजी लैब
15, वेदव्यास कॉलोनी, रतलाम (म. प्र.) 457001
मो. 9425103802)

लघुकथा — अख़बार

मनमोहन चौरे

सुबह उठते ही अखबार हाथ में आ जाये, तो पूरा दिन अच्छा गुजरता है। लेकिन ये हाकर अक्सर देरी से आता और जयप्रकाश उस पर भड़क जाते। तू अखबार इतनी देरी से क्यों लाता है?

आखिर उसने एक दिन जयप्रकाश से पूछ ही लिया- दादा ऐसी कौन-सी खबर है, जिसके लिए आप इतना बेचैन रहते हो?

'मुझे नोबल पुरस्कार मिलने की खबर। चल भाग यहाँ से ।' कहते हुए वे घर के अन्दर चले गये।

आज अखबार देने में कुछ ज्यादा ही देरी हो गई। लेकिन जयप्रकाश उस पर नाराज नहीं हुए। उसने देखा चश्मे के पीछे की उदास आँखों से दर्द पिघल कर बह रहा था। पिछले दिन का अखबार उनके हाथ में झूल रहा था। खबर थी- मेजर नितिन पिता जयप्रकाश,कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गये।

एस.21, मंदाकिनी
कालोनीकोलार रोड, भोपाल
मो.9893361341

दो ग़ज़लें

संतोष खन्ना

1.क्यों बरबस मुस्कराये जाते हो
दर्द को क्यों? छिपाये जाते हो
आंखों में पसरी? हैं वीरानियां
क्यों गम को खाये जाते? हो।
भारी हो गर बादलों का सीना
क्यों झट से नहीं बरस जाते हो
बांट लो तुम दुःख अपना मुझसे
बोलो, कुछ क्यों नहीं बताते हो।
भीतरी घुटन से बाहर निकलो
घुट घुट कर क्यों मरते जाते हो
यह जीवन बेशकीमती नेहमत
इसे यूं ही क्यों लुटाये जाते हो.

2. जब भी जाये, मुहब्बत का पैगाम जाये
बुरी बला है नफरत न कभी काम आये
बनाई उसने यह कायनात सब के लिए
यह तो फक्त इन्सानों के ही नाम आये
चाहे कोई हो हिंदू चाहे हो वह मुस्लिम
खुदा ने पुतले सब एक रंग रुप के बनाए
सांझी है विरासत सांझा है देश प्यारे
मिट्टी है एक सब है सांझी मां के जाये
ज्ञान है सबका विज्ञान भी नहीं पराया
खोल कर दरवाजे जो भी अंदर आये।
आया है जो जहां में जायेगा एक दिन
सच तो सच है सबको समझ में आये
जब भी जाये मुहब्बत का पैगाम जाये
बुरी बला है नफरत न कभी काम आये।

संक्षिप्त खबरें

सामान्य सभा की बैठक में विभागीय कार्यों, बजट उपयोग और विकास योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

दंतेवाड़ा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं, बजट उपयोग, विकास कार्यों की प्रगति तथा आगामी कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, जल संसाधन, वन, लोक निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग से वर्ष 2025-26 में प्राप्त बजट, स्वीकृत कार्यों, व्यय की स्थिति एवं भौतिक उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग के अंतर्गत नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व विद्यालय भवनों की स्थिति, जर्जर एवं भवन विहीन स्कूलों, आवश्यक मरम्मत कार्यों तथा विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तक उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

गर्भवती नाबालिग के आत्महत्या मामले में एक अपचारी बालक न्यायिक अभिरक्षा में

कांकेर। जिले के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र में 3 वर्ष पहले एक नाबालिग के द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर लिया था। इस मामले को लेकर पुलिस ने जब गंभीरता से जांच की तो पता चला कि नाबालिग गर्भवती थी। मामले की जांच में पता चला कि एक अपचारी बालक द्वारा मृतिका के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया गया। जिससे मृतिका गर्भवती हो गई थी। जिसके चलते नाबालिग ने यह कदम उठाया गया था। अपचारी बालक द्वारा पुलिस के सामने इस बात को स्वीकार किया। नाबालिग को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्याय बोर्ड कांकेर के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे आज शनिवार को न्यायिक अभिरक्षा में बाल सुधार गृह जगदलपुर भेजा गया। कांकेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुर्रे ने बताया कि 15 अप्रैल 2023 को एक नाबालिग बालिका द्वारा अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर ली थी। जिसके बाद उसे उपचार के लिए कोमलदेव जिला अस्पताल कांकेर में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान नाबालिग की मौत हो गई थी। मामले में जब छोटे बेठिया पुलिस में पीएम करवाया तो जांच में पता चला कि मृतिका के गर्भ में भ्रूण पाया गया, जिसे सुरक्षित रखकर डीएनए जांच कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना छोटेबेठिया में धारा 376(2)(झ) भादवि एवं 4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा मुखबीर लगाकर मामले की जांच की जा रही थी। वही ग्रामीणों से लगातार पूछ-ताछ एवं गहन जांच के माध्यम से मामले की जांच में पता चला कि एक अपचारी बालक द्वारा मृतिका के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया गया। जिससे मृतिका गर्भवती हो गई थी। गर्भवती होने के बाद नाबालिग ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। आवेश में आकर नाबालिग ने अज्ञात पदार्थ का सेवन करते हुए आत्महत्या कर ली।

एनएमडीसी के भस्मीकरण सयंत्र में 2234 किलो जप्त गांजा का नष्टीकरण 11 जून से

जगदलपुर। बस्तर जिले के पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर क्रिमिनल अपील क्रमांक 652/12 भारत संघ विरूद्ध मोहनलाल में पारित दिशा-निर्देश के पालन में गठित जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति द्वारा जिला बस्तर, क्षेत्रांतर्गत अवैध रूप से परिवहन कर रहे जप्त स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ (गांजा) को ग्राम पंचायत नगरनार में स्थित राष्ट्रीय खनिज विकास निगम प्राईवेट लिमिटेड के भस्मीकरण सयंत्र के माध्यम से विधिवत् नष्टीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसकी नष्टीकरण 11 जून को 772.482 किलोग्राम गांजा एवं सिरप 65 नग, 12 जून को 981.198 किलोग्राम गांजा और 13 जून को 480.968 किलोग्राम गांजा कुल- 2234.648 किलोग्राम गांजा एवं सीरप 65 नग। उक्त निर्धारित तिथि एवं अवैध मादक पदार्थ का चयनित स्थल में जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति सदस्यों एवं पंचान के समक्ष नष्टीकरण कार्यवाही सम्पन्न किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने पलारी में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने किया आग्रह

बालोद। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बालोद जिले के नवगठित नगर पंचायत पलारी में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा अध्यक्ष प्रत्याशी लखनलाल गुरुपंच एवं सभी पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि, नगर के विकास के लिए पलारी में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाना आवश्यक है। इससे पहले साव भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नगर में आयोजित भव्य बाइक रैली में शामिल हुए। रैली को जनता जर्नादन का व्यापक समर्थन मिला।

साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने पलारी को नगर पंचायत का दर्जा देकर विकास के नए द्वार खोले हैं। अब नगर के सर्वांगीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए भाजपा को विजयी बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पलारी की जनता विकास के लिए सही जन नेता का चयन करेगी। भाजपा अध्यक्ष प्रत्याशी लखनलाल गुरुपंच एक अनुभवी, ईमानदार और जनसेवा के लिए समर्पित प्रत्याशी हैं। उन्होंने बताया कि साय सरकार ने पलारी क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 6 करोड़ 94 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है, जिससे नगर में अनेक विकास कार्यों को गति मिलेगी। साव ने कहा कि पलारी को 6 दिसंबर 2024 को नगर पंचायत का दर्जा मिला है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में विकास कार्य प्रभावित हुए, जबकि भाजपा सरकार लगातार जनहित में निर्णय ले रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, डबल इंजन सरकार प्रदेश में विकास को नई दिशा दे रही है, अब नगर में भी तीसरा इंजन जोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं जनता जर्नादन से अध्यक्ष सहित सभी 15 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पलारी के विकास की पूरी जिम्मेदारी साय सरकार निभाएगी।

इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन जी, पर्यटन विकास निगम अध्यक्ष नीलू शर्मा जी, राकेश यादव जी, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष नेहरू निषाद जी, भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख जी,दुर्ग जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में प्रीतपाल बेलचंदन जी, संध्या परगनिहा, प्रीतम साहू, वीरेंद्र साहू जी, सौरभ लुनिया जी, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने किया बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने कल जिले के विभिन्न विकास कार्यों एवं जनहितकारी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिहान रसोई एवं बिहान चौपाटी का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उनके साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने बिहान रसोई के संचालन, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, खाद्य सामग्री के रख-रखाव तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, रसोई परिसर की साफ-सफाई तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी सचिव संगीता ने बिहान रसोई के सफल संचालन के लिए स्व-सहायता समूह की दीदियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

माचपल्ली नक्सली मुठभेड़ की दण्डाधिकारी जांच जारी

कांकेर। जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के आदेशानुसार एसडीएम पखांजूर मनीष देव साहू द्वारा छोटेबेठिया थाना अंतर्गत ग्राम माचपल्ली के जंगल पहाड़ी में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ घटना की दण्डाधिकारी जांच प्रारंभ कर दी गई है। यदि किसी व्यक्ति के पास लिखित या मौखिक जानकारी हो तो वे अनुविभागीय दण्डाधिकारी पखांजूर के न्यायालय में 02 जून तक कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर जानकारी प्रस्तुत कर सकते हैं।

उनके द्वारा विभिन्न 12 बिन्दुओं-घटना की पृष्ठभूमि, घटना में शामिल सशस्त्र बलों का सर्चिंग अभियान हेतु विभागीय आदेशों एवं निर्देशों का विवरण, 13 अप्रैल 2026 की घटना क्या वास्तव में सशस्त्र नक्सलियों (माओवादियों) द्वारा पूर्व नियोजित और षड्यंत्रकारी घटना थी, मृतक माओवादी नक्सली की मृत्यु कैसे हुई। मुठभेड़ में मारे गये नक्सलियों की पहचान, परिचय एवं अपराध वृतांत आदि का विवरण। मृतिका के पोस्ट मार्टम में पाये गये मौत का आधारभूत कारक, कारण एवं चिकित्सकीय अभिमत। घटना एवं मुठभेड में पुलिस बल, आम नागरिकों के हताहतों अथवा अन्य जन-धन-बल की हानि का विवरण । मौका मुआयना, सर्चिंग व घटना स्थल निरीक्षण के दौरान पाये गये जप्त सामग्री का विवरण। पुलिस नक्सली मुठभेड़ के संबंध में आस-पास के ग्रामीणों का कथन साक्ष्य, गवाही, अभिमत। पुलिस थाना में दर्ज की गई एफआईआर, पुलिस विवेचना व अभिमत और सुसंगत धाराओं का विवरण। जांच अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति, सूचना, समन्स आदि का विवरण एवं अन्य स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी जो घटना के लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण हो जिसका उल्लेख आवश्यक हो इत्यादि बिन्दुओं पर जांच की जा रही है।

जीपीएम के पहले नगरीय जन समस्या निवारण शिविर में उमड़ी लोगों की भीड़

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्र में पहला जन समस्या निवारण शिविर पेण्ड्रा स्थित मल्टी परपज स्कूल के असेम्बली हॉल में आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी आमजन को उपलब्ध कराई गई।

शिविर के दौरान नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष राकेश जलान ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति के लिए सीएमओ कार्यालय के एक कर्मचारी द्वारा हितग्राही से राशि मांगने की शिकायत उठाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को तत्काल जांच कराने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष राकेश जलान ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित मांगों पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई। साथ ही नागरिकों से जल संरक्षण और अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे। यहां स्वास्थ्य परीक्षण, औषधि वितरण, ई-केवाईसी, प्रमाण पत्र वितरण और अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आवास, बिजली, पशुपालन सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदनों के निराकरण की जानकारी भी संबंधित विभागों द्वारा आवेदकों को दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दस गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और आठ बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके साथ ही नोनी सुरक्षा योजना एवं सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 26 बच्चों को लाभान्वित किया गया।

अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई 100 ट्रैक्टर रेत नदी में वापस डलवाई गई

संयुक्त जांच में दो चौन माउंट मशीनों पर कार्रवाई, वैधानिक प्रावधानों के तहत होगी आगे की कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। राज्य में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध सख्त अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रेत भंडारण और उत्खनन के मामलों में कड़ी कार्रवाई की गई। खनिज अधिकारी ने बताया कि ग्राम आमोदी (खपरीडीह) में अवैध रूप से भंडारित रेत के विरुद्ध अभियान चलाते हुए लगभग 100 ट्रैक्टर रेत को वापस नदी में डलवाया गया। यह कार्रवाई अवैध भंडारण को समाप्त करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से की गई। इसके अलावा ग्राम पीथमपुर-भादा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत मिलने पर खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच की।

जांच के दौरान ग्राम भादा में नियमों के विपरीत चौन माउंट मशीन के माध्यम से रेत खनन किया जाना पाया गया, जिस पर कार्रवाई करते हुए एक चौन मशीन को जब्त कर मौके पर ही सीलबंद कर दिया गया। इसी प्रकार ग्राम देवरहा में भी अवैध रेत खनन में संलिप्त एक अन्य चौन माउंट मशीन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे सीलबंद किया गया। प्रशासन ने बताया कि दर्ज प्रकरणों की जांच छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय नियम, 2025 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत की जा रही है।

खाद की कालाबाजारी पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

2638 बोरी उर्वरक जब्त

जांजगीर-चांपा। किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खाद की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उर्वरक निरीक्षकों की टीम ने जांजगीर-चांपा जिले में निजी कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 2638 बोरी रासायनिक उर्वरक जब्त किए हैं।

उप संचालक कृषि राकेश शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान चांपा स्थित थोक विक्रेता मेसर्स दिशा सेल्स में रासायनिक उर्वरकों के भंडारण एवं वितरण में अनियमितताएं पाई गईं। उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत कार्रवाई करते हुए 1150 बोरी एनपीके 16:20:00:13 (एचयूआरएल), 428 बोरी एसएसपी (दानेदार), 630 बोरी एसएसपी (पाउडर) तथा 98 बोरी जिंकेटेड एसएसपी सहित कुल 2306 बोरी उर्वरकों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए उन्हें जब्त किया गया। इसी प्रकार विकासखंड बलौदा के ग्राम पिसौद स्थित राजकुमार साहू कृषि केंद्र में छापामार कार्रवाई के दौरान 98 बोरी यूरिया, 94 बोरी जिंकेटेड एसएसपी, 70 बोरी ट्रिपल सुपर फॉस्फेट तथा 70 बोरी एनपीके 16:20:00:13 (एचयूआरएल) का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर 332 बोरी उर्वरक जब्त कर विक्रय प्रतिष्ठान को सीलबंद कर दिया गया। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की रक्षा, उर्वरकों की सुचारु उपलब्धता और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले के सभी सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी के बच्चों के चेहरों पर तितली संस्था ने बिखेरी मुस्कान

जगदलपुर। आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार का दिन आम दिनों से बेहद अलग, रचनात्मक और ऊर्जा से भरपूर रहा। आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चों के साथ मिलकर स्वयंसेवी संगठन तितली संस्था की टीम ने कुछ ऐसी अनूठी और व्यावहारिक गतिविधियाँ कीं, जिसने न केवल बच्चों के चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान बिखेर दी, बल्कि उनके मानसिक विकास और पर्यावरण सुरक्षा की एक मजबूत नींव भी रख दी। संस्था द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेल-खेल में शिक्षा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना था, ताकि बच्चे किताबी ज्ञान के बोझ से दूर रहकर कुछ नया और स्थायी सीख सकें। इसी सोच के साथ कार्यक्रम की शुरुआत में बच्चों को कागज से कलाकारी की सुंदर विद्या सिखाई गई।

तितली संस्था के सदस्यों के कुशल मार्गदर्शन में बच्चों ने रंग-बिरंगे कागजों को मोड़कर खूबसूरत खिलौने बनाना सीखा। इस गतिविधि ने जहाँ एक ओर बच्चों की मोटर स्किल्स और उनकी रचनात्मकता को नए पंख दिए, वहीं अपने खुद के हाथों से खिलौने बनते देख बच्चों का उत्साह और खुशी भी सातवें आसमान पर नजर आई। कागज की इस कलाकारी के बाद बच्चों को गणित की एक बेहद अनोखी और व्यावहारिक दुनिया से रूबरू कराया गया। पारंपरिक और उबाऊ रटने की प्रणाली को पीछे छोड़ते हुए बच्चों ने अपने आस-पास के वातावरण में मौजूद प्राकृतिक चीजों, जैसे सूखी पत्तियों और छोटे-छोटे कंकड़ों की मदद से गिनती सीखी। खेल-खेल में सीखी गई इस गिनती का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह व्यावहारिक तरीका बच्चों के दिमाग में संख्याओं की समझ को हमेशा के लिए आसान और स्थायी बना देता है। शिक्षा और रचनात्मकता के इस सफर को प्रकृति से जोड़ते हुए, शुक्रवार के इस खास दिन पर फ्राइडे प्लांटेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत संस्था के सदस्यों ने बच्चों को बेहद सरल और रोचक भाषा में पेड़-पौधों तथा पर्यावरण का महत्व समझाया। इसके बाद बच्चों ने खुद अपने नन्हे-नन्हे हाथों से पौधरोपण किया और बड़े ही चाव से उन पौधों की देखभाल करने का संकल्प भी लिया। इस सफल आयोजन पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए तितली संस्था के प्रतिनिधि ने कहा कि आंगनबाड़ी के बच्चों का मानसिक विकास खेल और व्यावहारिक अनुभवों से सबसे तेज होता है। जब बच्चे बचपन से ही प्रकृति से जुड़ेंगे, तभी वे आगे चलकर पर्यावरण के सजग रक्षक बनेंगे। आज बच्चों के चेहरों की खिलखिलाती मुस्कान ही इस पूरी मुहिम की सबसे बड़ी सफलता है। कुल मिलाकर, यह आयोजन इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण बन गया है कि कैसे सही मार्गदर्शन और रचनात्मक सोच के जरिए जमीनी स्तर पर बच्चों के भविष्य और पर्यावरण दोनों को एक साथ सुरक्षित किया जा सकता है।

ऑपरेशन आघात में बुट्रम इंजेक्शन सप्लायर गिरफ्तार

रायगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत थाना कोतवाली पुलिस ने नशीले बुट्रम इंजेक्शन की बिक्री से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

ज्ञात हो कि 26 मई 2026 को साइबर थाना एवं कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि रामलीला मैदान के पास कुछ युवक नाबालिग लड़कों एवं युवाओं को बुट्रम इंजेक्शन लगाकर नशा करा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर कुछ युवक मौके से फरार हो गए, जबकि मोटरसाइकिल पर बैठे सूरज पंडित निवासी सोनियानगर रायगढ़ तथा विमल केरकेट्टा निवासी संजय नगर बैंक कॉलोनी रायगढ़ को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी सूरज पंडित के कब्जे से 24 नग नशीली ब्यूटोरफैनोल टार्ट्रेट इंजेक्शन यूएसपी 2 एमजी(ब्यूट्रम), दो सिरिंज, नगदी रकम 7,370 तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खरसिया निवासी सरोज यादव उर्फ बबलू यादव से नशीले इंजेक्शन खरीदकर युवकों एवं नाबालिग बच्चों को बेचने की बात स्वीकार की। आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने सरोज यादव उर्फ बबलू यादव को घड़ी चौक रायगढ़ के पास से गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से बिक्री रकम में शेष 200 बरामद किए गए।

केंद्र ने पीएम-सेतु योजना के तहत पहले स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान को दी मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम आईटीआई क्लस्टर के लिए स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यह पीएम-सेतु यानी प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-एसईटीयू) योजना के तहत स्वीकृति पाने वाला पहला प्रस्ताव बन गया है। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के अनुसार, यह प्रस्ताव आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश पीएम-सेतु के तहत उद्योग साझेदारी को लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है, जिसने एंकर इंडस्ट्री पार्टनर (एआईपी) को शामिल किया है।

यह मंजूरी मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संचालन समिति की तीसरी बैठक में दी गई।

यह स्वीकृति पीएम-सेतु के उस विजन को लागू करने की दिशा में पहला ठोस कदम है, जिसके तहत सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उद्योग-प्रबंधित और परिणाम-आधारित संस्थानों में बदला जाना है। इसके लिए राज्य सरकारों और प्रमुख उद्योग समूहों के बीच साझेदारी की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने की। बैठक में प्रशिक्षण महानिदेशक (डीजीटी) दिलीप कुमार, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, उद्योग संगठनों और विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

अधिकारियों ने कहा कि विशाखापट्टनम क्लस्टर को मिली मंजूरी पीएम-सेतु के तहत प्रस्तावित उद्योग-नेतृत्व वाले 'हब एंड स्पोक' मॉडल को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल के रूप में काम करेगा, जो व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं।

इसके अलावा, राष्ट्रीय संचालन समिति ने विभिन्न राज्यों में पीएम-सेतु योजना की प्रगति की भी समीक्षा की और उद्योगों की भागीदारी बढ़ाने, प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) की वित्तीय स्थिरता सुधारने तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

सरकार के अनुसार, 60,000 करोड़ रुपए के बजट वाली पीएम-सेतु एक प्रमुख सरकारी योजना है, जिसका उद्देश्य 1,000 सरकारी आईटीआई को उद्योग-नेतृत्व वाले 'हब एंड स्पोक' मॉडल के जरिए आधुनिक बनाना है।

सोना एक हफ्ते में हजार रुपए और चांदी दो हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमश: एक हजार रुपए और दो हजार रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 1,257 रुपए कम होकर 1,56,463 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,58,720 रुपए पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,43,320 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,44,835 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,17,347 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,18,588 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 27 मई को 1,56,072 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 25 मई को 1,58,857 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 2,650 रुपए कम होकर 2,63,350 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,66,000 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में सबसे न्यूनतम दाम 27 मई को 2,60,917 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 25 मई को 2,71,100 रुपए प्रति किलो देखा गया।

वैश्विक अस्थिरता के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दल 4,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 76 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह महंगाई बढ़ने की आशंका और अमेरिका - ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत उच्च स्तर पर रहना है। बीते एक वर्ष में सोने और चांदी ने शानदार रिटर्न दिया है। डॉलर में इस दौरान सोने ने 37 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने 127 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ीं, पीएनजी 50 पैसे महंगी हुई

मुंबई। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। शनिवार को महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की। जिससे रिटेल रेट बढ़कर 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।

नई कीमतें मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और कंपनी की ओर से सेवा दिए जाने वाले अन्य इलाकों में लागू होंगी। सीएनजी की कीमतों में यह इस महीने की दूसरी बढ़ोतरी है; इससे पहले एमजीएल ने 14 मई को कीमतें 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाई थीं।

बता दें कि कंपनी ने एमएमआर में पाइप वाली कुकिंग गैस (पीएनजी) की दरें भी 50 पैसे प्रति यूनिट बढ़ा दी हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर लगातार दबाव और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी की गई है।

हाल के हफ्तों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ोतरी की गई है, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक कच्चे तेल की

कीमतों में हुई बढ़ोतरी का असर ग्राहकों पर डाल दिया है। मुंबई में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.83 रुपये प्रति लीटर रही।

इस बीच, केंद्र सरकार ने सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के भंडार को मजबूत करने का निर्देश दिया है। तेल विपणन कंपनियों से आग्रह किया गया है कि वे घरेलू मांग के कम से कम 30 दिनों के बराबर एलपीजी का स्टॉक बनाए रखें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया कि सरकार के निर्देश पर, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वर्तमान में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन 550 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा रही हैं। इसकी वजह यह है कि उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उन पर नहीं डाला है।

भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूती बरकरार, लेकिन वैश्विक चुनौतियों के बीच सतर्क रहने की जरूरत: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी अपनी 'मंथली इकोनॉमिक रिव्यू' में कहा कि मई में भारत की व्यापक आर्थिक (मैक्रोइकोनॉमिक) स्थिति सतर्क लेकिन मजबूत बनी हुई है। मजबूत सेवा निर्यात, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर श्रम बाजार ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतें, रुपए में कमजोरी, उत्पादन लागत में बढ़ता दबाव और सामान्य से कम मानसून की संभावना ऐसे कारक हैं, जिनके चलते नीति निर्माताओं को लगातार सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

आर्थिक समीक्षा में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2026-27 में विकास की रफ्तार बनाए रखने और महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक, राजकोषीय और संरचनात्मक नीतियों में लचीलापन और सक्रियता जरूरी होगी, क्योंकि

वैश्विक माहौल अभी भी अनिश्चित बना हुआ है।'

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पहले से कमजोर वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए एक बड़ा झटका बनकर उभरा है। इसका असर ऊर्जा बाजार, सप्लाई चेन, व्यापार मार्गों और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों पर साफ दिखाई देने लगा है। ऊर्जा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण महंगाई का दबाव फिर बढ़ा है, और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 'स्टैगफ्लेशन' (कम विकास और ऊंची महंगाई) की चिंताएं दोबारा उभरने लगी हैं।

समीक्षा में कहा गया है कि यदि खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान बना रहता है, तो इससे वैश्विक आर्थिक विकास और कमजोर हो सकता है तथा कई देशों की आर्थिक चुनौतियां बढ़ सकती हैं। भारत के लिए भी इन बाहरी दबावों का असर अब धीरे-धीरे घरेलू अर्थव्यवस्था में दिखाई देने लगा है। रिपोर्ट में कहा गया, 'अप्रैल 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी विकास गति बनाए रखी। ई-वे बिल जनरेशन, पीएमआई सूचकांक और बिजली खपत वृद्धि के दायरे में बने रहे। हालांकि, आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक और ईंधन खपत में नरमी यह संकेत देती है कि वैश्विक चुनौतियों का असर घरेलू अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों पर पड़ने लगा है। अप्रैल 2026 के महंगाई आंकड़ों का जिक्र करते हुए समीक्षा में कहा गया कि उपभोक्ता महंगाई और थोक महंगाई के बीच अंतर बढ़ता दिखाई दे रहा है। खुदरा महंगाई (सीपीआई) मामूली बढ़कर 3.48 प्रतिशत रही और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लक्ष्य से नीचे बनी रही। हालांकि, कुछ खाद्य पदार्थों और रेस्तरां तथा आवास जैसी सेवाओं में कीमतों का दबाव बढ़ा है।

केंद्र की ओर से गन्ने पर नियंत्रण के मसौदा आदेश को वापस लेना स्वागत योग्य कदम : केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह

नई दिल्ली । कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 'गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026' के मसौदे को वापस लेने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है।

सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि किसानों के लिए, 'गुड़-खांडसारी उद्योग और विभिन्न हितधारकों से मिले सुझावों को गंभीरता से लेते हुए, इस ड्राफ्ट पर फिर से विचार करने का फैसला बातचीत पर आधारित नीति-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।'

सरकार ने परामर्श प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकारों और हितधारकों से मिले सुझावों और फीडबैक के बाद गन्ने (नियंत्रण) आदेश, 2026 के ड्राफ्ट को वापस ले लिया। आदेश में औपचारिक रूप से कहा गया कि गन्ने (नियंत्रण) आदेश, 2026 का ड्राफ्ट 'इसके द्वारा वापस लिया जाता है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने कहा कि आगे की कार्रवाई से पहले ड्राफ्ट आदेश पर फिर से विचार किया जाएगा।

यह सूचना कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सहकारिता

मंत्रालय और कानूनी मामले विभाग सहित कई मंत्रालयों और संगठनों को भेजी गई थी।

इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने चीनी सत्र 2026-27 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए 10.25 प्रतिशत की मूल रिकवरी दर पर गन्ने के 'उचित और लाभकारी मूल्य' में 2.81 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी, जिससे इसका मूल्य 365 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

सीसीईए बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 10.25 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी में प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की वृद्धि के लिए 3.56 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम मिलेगा, और रिकवरी में प्रत्येक 0.1 प्रतिशत की कमी के लिए कीमत में 3.56 रुपए प्रति क्विंटल की कटौती होगी।

गन्ना किसानों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से, सरकार ने यह भी फैसला किया है कि उन चीनी मिलों के मामले में कोई कटौती नहीं की जाएगी जहां रिकवरी 9.5 प्रतिशत से कम है। बयान में कहा गया है कि ऐसे किसानों को आने वाले चीनी सत्र 2026-27 में गन्ने के लिए 338.3 रुपए प्रति क्विंटल मिलेंगे।

मंजूर किया गया एफआरपी चीनी मिलों द्वारा चीनी सत्र 2026-27 (1 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी) में किसानों से गन्ने की खरीद पर लागू होगा।

कनाडा दौरे के बाद पीयूष गोयल का बयान: भारत-कनाडा संबंधों में आई नई गति

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अपने कनाडा दौरे की प्रमुख झलकियां साझा करते हुए कहा कि इस यात्रा ने भारत और कनाडा के संबंधों में आई नई गति को फिर से मजबूत किया है।

सोशल मीडिया पर 'कनाडा की मेरी बेहद सफल यात्रा की झलकियां' शीर्षक से साझा किए गए एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि इस दौरे ने दोनों देशों की आपसी विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को भी दोहराया है।

गोयल द्वारा साझा किए गए वीडियो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ उनकी बैठकों की झलक दिखाई गई।

वीडियो में टोरंटो में आयोजित उद्घाटन मंत्रीस्तरीय पूर्ण सत्र में उनके संबोधन और मनिंदर सिद्धू द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में उद्योग जगत के नेताओं के साथ उनकी बातचीत भी शामिल थी।

इसके अलावा, वीडियो में कनाडा निवेश गोलमेज बैठक (इन्वेस्टमेट राउंडटेबल) में उनकी भागीदारी, भारत-कनाडा कॉरिडोर से जुड़े क्षेत्रीय चैंबरों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा और कनाडा-इंडिया फाउंडेशन के सदस्यों से मुलाकात भी दिखाई गई।

गोयल ने ओंटारियो सेंटर ऑफ इनोवेशन का भी दौरा किया और भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों, कई कंपनियों के सीईओ तथा उद्योग एवं व्यापार मंडलों के प्रमुखों के साथ बैठक कर व्यापार और निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

इस सप्ताह जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत और कनाडा के बीच मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 8.5 अरब डॉलर का है। दोनों देशों की सरकारें वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के साझा और महत्वाकांक्षी लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

तीन दिवसीय यह दौरा भारत और कनाडा के बीच व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। इस दौरान विशेष रूप से भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर चल रही वार्ताओं को गति देने पर जोर दिया गया।

गोयल ने भारत के तेजी से बढ़ते स्टार्टअप और नवाचार इकोसिस्टम को रेखांकित करते हुए बताया कि कनाडा इन उच्च विकास वाले क्षेत्रों में सार्थक साझेदारी कर सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लीनटेक, एग्रीटेक और डीप-टेक जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में भारत और कनाडा की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं।

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू निवेशकों ने संभाला बाजार, मई में किए रिकॉर्ड 82,668 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई । घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने मई में भारतीय शेयर बाजार को मजबूत सहारा देते हुए रिकॉर्ड 82,668 करोड़ रुपए का निवेश किया। दूसरी ओर, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार बिकवाली जारी रखी।

घरेलू निवेशकों द्वारा लगाए गए इस बड़े निवेश ने विदेशी निवेशकों की 11 महीने से जारी बिकवाली के असर को काफी हद तक संतुलित कर दिया। मई के दौरान एफआईआई ने कुल 55,963 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन डीआईआई के मजबूत निवेश ने बाजार में तरलता (लिक्विडिटी) बनाए रखी।

महीने के दौरान निवेशकों के बीच यह खींचतान अंतिम सप्ताह के कारोबार में भी साफ दिखाई दी।

बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (टेक्निकल) पबित्रो मुखर्जी ने कहा, 'एफआईआई ने अपनी बिकवाली जारी रखी और चार कारोबारी सत्रों में शुद्ध रूप से 23,734 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं डीआईआई ने बाजार के सबसे बड़े सहारे की भूमिका निभाते हुए 25,503 करोड़ रुपए की खरीदारी की। खास बात यह रही कि डीआईआई ने पूरे सप्ताह हर दिन लगातार खरीदारी की।'

विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की इस बड़े पैमाने पर निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है, जिसने वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है।

इसके अलावा, रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसे कई व्यापक आर्थिक दबावों ने भी विदेशी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। हालांकि, भारतीय शेयर बाजार ने अपेक्षाकृत स्थिर लेकिन घटनापूर्ण सप्ताह का सामना किया। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से निवेशकों का भरोसा कुछ हद तक लौटा और जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी।

विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बढ़ती उम्मीदों ने ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की आशंकाओं को कम किया है, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजारों में सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

इसके बावजूद, एफआईआई पूरे सप्ताह सतर्क बने रहे और अधिकांश समय शुद्ध बिकवाल (नेट सेलर) की भूमिका में रहे।

लिव-इन में रहने के बाद रणबीर-आलिया ने की थी शादी, कंपैटिबिलिटी चेक करने का क्या ये है सही तरीका

रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि वो और आलिया शादी से पहले लिव-इन में रहे. इसमें कोई दोराय नहीं कि आज के समय में कपल्स के बीच लिव-इन में रहना कंपैटिबिलिटी चेक करने का एक पैमाना बन गया है. लेकिन क्या ये सही तरीका है, चलिए समझते हैं.

बॉलीवुड के 'रॉकस्टार' रणबीर कपूर ने कजिन करीना कपूर के वॉट वूमन वान्ट शॉ में बताया था कि वो और आलिया भट्ट शादी से पहले लिव इन रिलेशनशिप में थे. ये बात उन्होंने उस सवाल के जवाब में कही थी जब उनसे करीना ने ये पूछा था कि वो शादी और लिव इन में से क्या चुनेंगे. रणबीर ने ये भी कहा था कि उन्हें लगता है कि लिव इन रिलेशनशिप में कुछ भी गलत नहीं है. मैं और आलिया शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में थे, और बहुत ही नेचुरली ये रिश्ता शादी की ओर बढ़ गया.

इसमें कोई दोराय नहीं कि आज के समय में लिव-इन रिलेशनशिप का ट्रेंड बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है. कपल्स शादी करने से पहले ये सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं, कि वो साथ रह सकते हैं. लेकिन कंपैटिबिलिटी चेक करने का क्या ये सही तरीका है? ये सवाल अक्सर उठता है, कि जब दो लोग प्रेम में होने के बावजूद और लिव-इन की अग्नि परीक्षा पास करने के बाद भी शादी में घूंटने लगते हैं.

क्या है कंपैटिबिलिटी ?

कम्पैटिबिलिटी का मतलब है दो लोगों की सोच, जीवनशैली और मूल्यों का एक-दूसरे से मेल खाना. उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति एक ही रिश्ते में विश्वास रखता है, तो उसका तालमेल ऐसे व्यक्ति के साथ मुश्किल हो सकता है जो एक से अधिक रिश्तों को सही मानता हो. यही कम्पैटिबिलिटी कहलाती है. किसी भी रिश्ते का लंबे समय तक सफल रहना इस बात पर निर्भर करता है कि दोनों लोगों के बीच कितनी अच्छी कम्पैटिबिलिटी है.

लिव-इन रिलेशनशिप के फायदे और नुकसान

लिव-इन रिलेशनशिप में ज्यादातर लोग ये टेस्ट करने के लिए आते हैं, कि शादी के बाद वो साथ रहने के लिए कंपैटिबल हैं या नहीं. लेकिन वास्तव में इससे बहुत कम ही रिश्ते सवर पाते हैं. क्योंकि इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं. लिव-इन रिलेशनशिप में दो लोग शादी के बिना साथ रहते हैं. इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ पाते हैं. इससे रिश्ते में भरोसा और समझ बढ़ती है. साथ ही जिम्मेदारियों और खर्चों को भी बांटना आसान हो जाता है।

लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं. समाज में आज भी कई लोग इसे स्वीकार नहीं करते, जिससे आलोचना का सामना करना पड़ सकता है. कई बार रिश्ते में स्थिरता की कमी होती है और अलग होने पर भावनात्मक परेशानी बढ़ सकती है. इसलिए लिव-इन रिलेशनशिप का फैसला सोच-समझकर और आपसी समझ के साथ लेना चाहिए. इसके अलावा कुछ लोग सिर्फ फीजिकल बेनिफिट्स के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में आते हैं, जबकि साथ वाला पार्टनर लॉन्ग टाइम कमिटमेंट चाहता है. ऐसे में मेंटल ट्रॉमा का रिस्क बढ़ जाता है, जो फ्यूचर रिलेशनशिप को बर्बाद कर सकता है।

कल ज्येष्ठ पूर्णिमा पर दिखने वाला है स्कॉर्पियो ब्लू मून, जानें यह कब बनता है और कितने होते हैं मून फेज

ज्येष्ठ पूर्णिमा की रात आसमान में दिखने वाला है दुर्लभ स्कॉर्पियो ब्लू मून, जिसे लेकर खगोल प्रेमियों में उत्सुकता बढ़ गई है. माना जा रहा है कि यह विशेष खगोलीय घटना चांद के अलग-अलग मून फेज को समझने का सुनहरा मौका होगी. इस मौके पर जानिए स्कॉर्पियो ब्लू मून वास्तव में कब बनता है, इसकी खासियत क्या है और चांद के कुल कितने मून फेज होते हैं।

31 मई यानी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर आसमान में स्कॉर्पियो ब्लू मून का खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा. जब एक माह में दो पूर्णिमा होती हैं, तब दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाता है. इस दिन चंद्रमा मंगल ग्रह की राशि वृश्चिक में संचार करेंगे, जिससे ब्लू मून को स्कॉर्पियो ब्लू मून कहा जा रहा है. हिंदू धर्म में अधिकमास की ज्येष्ठ पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है. इस दिन व्रत रखकर भगवान नारायण और माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की जाती है और सत्यनारायण का पाठ किया जाता है. ऐसे में अधिकमास की ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन स्कॉर्पियो ब्लू मून का होना बेहद दुर्लभ संयोग माना जा रहा है. आइए जानते हैं

सबसे चमकदार रूप में दिखाई देता है चंद्रमा - ब्लू मून को फुल मून भी कहा जाता है. पूर्णिमा यानी फुल मून वह खगोलीय स्थिति होती है, जब चंद्रमा का पृथ्वी की ओर वाला हिस्सा सूर्य की रोशनी से पूरी तरह प्रकाशित हो जाता है. इस दौरान चांद अपने सबसे चमकदार रूप में दिखाई देता है. हालांकि, हर रात चांद का आकार और स्वरूप बदलता हुआ नजर आता है. यह बदलाव चंद्रमा की विभिन्न कलाओं (मून फेज) के कारण होता है, जो लगभग 29.5 दिनों के चक्र में लगातार बदलती रहती हैं.

पृथ्वी के चारों ओर लगातार परिक्रमा करता चंद्रमा - वैज्ञानिकों के अनुसार, सूर्य हमारे सौर मंडल का एकमात्र ऐसा पिंड है, जो स्वयं प्रकाश उत्सर्जित करता है. सूर्य की रोशनी पृथ्वी और चंद्रमा पर पड़ती है. चंद्रमा अपनी रोशनी स्वयं नहीं बनाता, बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करता है. इसी परावर्तित प्रकाश को हम चांदनी के रूप में देखते हैं. चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर लगातार परिक्रमा करता रहता है, जिसके कारण पृथ्वी से दिखाई देने वाला उसका प्रकाशित हिस्सा बदलता रहता है.

चंद्रमा की 8 कलाएं - चंद्रमा की कुल आठ प्रमुख कलाएं होती हैं. इनमें अमावस्या (न्यू मून), बढ़ता हुआ अर्धचंद्र (वैक्सिंग क्रिसेंट), प्रथम चतुर्थांश (फर्स्ट क्वार्टर), बढ़ता हुआ गिबस (वैक्सिंग गिबस), पूर्णिमा (फुल मून), घटता हुआ गिबस (वेनिंग गिबस), तृतीय चतुर्थांश (थर्ड क्वार्टर) और घटता हुआ अर्धचंद्र (वेनिंग क्रिसेंट) शामिल हैं. यह पूरा चक्र लगभग हर 29.5 दिनों में दोहराया जाता है।

बच्चों में हीट स्ट्रोक कितना घातक? दिखें ये लक्षण तो न करें इग्नोर, इन बातों का रखें खास ध्यान

नवजात शिशु और छोटे बच्चे हीट स्ट्रोक के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं. तेज गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही भी उनकी सेहत पर भारी पड़ सकती है. बच्चों का शरीर बहुत जल्दी गर्म हो जाता है. इसकी वजह से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है, जो हीट स्ट्रोक का कारण बनता है. ऐसे में बच्चों में कुछ लक्षणों को बिल्कुल भी इग्नोर करने की भूल न करें वरना उनके लिए घातक साबित हो सकता है.

देशभर में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है. कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है. वहीं, 25 मई से 2 जून तक नौतपा शुरू होने वाला है, जिसके चलते गर्मी और अधिक बढ़ने की संभावना है. ऐसे में भारत सरकार और स्वास्थ्य विभाग लगातार लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं. खासकर, शिशुओं और 5-6 साल के बच्चों की सेहत का खास ख्याल रखें. इन्हें घर से बाहर न निकलने दें. शिशुओं को भी तेज धूप में न ले जाएं. जानें, किस तरह से रखें अपने बच्चे को हीट स्ट्रोक से बचाकर और कैसे नजर आते हैं बच्चों में हीट स्ट्रोक के लक्षण...

छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों और नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, नवजात शिशु और छोटे बच्चे हीट स्ट्रोक के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं. तेज गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही भी उनकी सेहत पर भारी पड़ सकती है. विशेषज्ञ बताते हैं कि बच्चों का शरीर बहुत जल्दी गर्म हो जाता है और उनमें पसीना भी कम निकलता है. इसकी वजह से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है, जो हीट स्ट्रोक का कारण बनता है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी सावधानियां

गर्मी के मौसम में बच्चों की विशेष देखभाल बेहद जरूरी है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कुछ आसान उपाय अपनाकर बच्चों को हीट स्ट्रोक से बचाया जा सकता है.

बच्चों को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखें.

उन्हें तेज धूप या बंद और गर्म कमरे में अकेला न छोड़ें.

शरीर का तापमान समय-समय पर चेक करते रहें.

बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ पिलाते रहें।

छोटे बच्चों को समय-समय पर मां का दूध जरूर पिलाएं.

कपड़ों और साफ-सफाई का रखें ध्यान

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों को गर्मी में हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाने चाहिए. ज्यादा कपड़े पहनाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती. इसके अलावा बच्चों को ठंडे पानी से नहलाना या गीले कपड़े से शरीर साफ करना भी फायदेमंद रहता है.

इन लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

यदि बच्चा लगातार रो रहा हो, चिड़चिड़ा हो जाए, ज्यादा नींद आए, उल्टी करे, तेज बुखार हो या सांस लेने में परेशानी महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. विशेषज्ञों का कहना है कि शिशुओं में हीट स्ट्रोक के लक्षण जल्दी समझ में नहीं आते, इसलिए पेरेंट्स को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है.

दोपहर में बाहर ले जाने से बचें

डॉक्टरों की सलाह है कि बच्चों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बाहर न ले जाएं. इस दौरान गर्मी और धूप सबसे ज्यादा होती है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

फटी एड़ियों को ठीक करने के लिए पार्लर नहीं, भागें डॉ के पास, हो सकती है इन बीमारियों की चेतावनी

फटी एड़ियों के कारण कई लोग शर्म महसूस करते हैं और सैंडल पहनने से बचते हैं. अक्सर लोग इसे साफ-सफाई की कमी से जोड़ते हैं, जबकि इसके पीछे आनुवंशिक कारण, स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए फटी एड़ियों को नजरअंदाज करने के बजाय उनकी वजह को समझना और समय पर इलाज कराना जरूरी है.

फटी एड़ियों को अक्सर लोग केवल ब्यूट से जुड़ी समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. जैसे सर्दियों में होंठों का सूखना या तनाव में बाल झड़ना सामान्य माना जाता है, वैसे ही फटी एड़ियों को भी लोग मामूली समझ लेते हैं. लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है।

फटी एड़ियां कई बार शरीर में चल रही परेशानियों का भी संकेत हो सकती है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, एड़ियों में क्रेक आने की वजह स्वास्थ्य या जीवनशैली की आदतें जिम्मेदार होती हैं.

एड़ियों की त्वचा शरीर के बाकी हिस्सों की तुलना में मोटी होती है क्योंकि उसे रोजाना शरीर का वजन और दबाव सहना पड़ता है. हालांकि हर व्यक्ति की एड़ियां नहीं फटतीं।

इसका एक कारण त्वचा की नमी बनाए रखने की क्षमता है. कुछ लोगों की त्वचा स्वाभाविक रूप से ज्यादा नमी बनाए रखती है, जबकि कुछ लोगों की त्वचा जल्दी सूख जाती है. उम्र बढ़ने के साथ त्वचा पतली और कम लचीली हो जाती है, जिससे एड़ियां फटने लगती हैं.

बीमारी का भी संकेत हो सकती हैं

कई बार फटी एड़ियां बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं. डायबिटीज और थायरॉइड मरीजों में प्रॉब्लम बहुत कॉमन होती है. दरअसल, डायबिटीज के मरीजों में ब्लड सर्कुलेशन और नसों पर असर पड़ने के कारण पैरों की त्वचा अधिक सूख जाती है. वहीं, थायरॉइड की समस्या भी त्वचा को रूखा बनाती है इसके अलावा शरीर में जिंक, आयरन, ओमेगा-3 और कुछ विटामिनों की कमी से भी त्वचा कमजोर हो जाती है.

फटी एड़ियों की समस्या इन लोगों में ज्यादा कॉमन

लंबे समय तक खड़े रहने वाले लोगों, जैसे शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी, फैक्ट्री कर्मचारी और दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है. खुले चप्पल पहनना, कठोर फर्श पर चलना और अधिक वजन भी एड़ियों पर दबाव बढ़ाते हैं, जिससे उनमें दरारें पड़ सकती हैं.

डॉक्टर से कराएं जांच

अगर एड़ियों में गहरी दरारें पड़ जाएं, खून आने लगे, दर्द हो या संक्रमण हो जाए, तो स्थिति गंभीर हो सकती है. फंगल इंफेक्शन, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी त्वचा संबंधी बीमारियां भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। खासकर डायबिटीज के मरीजों को ऐसी स्थिति में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए. यदि आप भी बार-बार इस परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो ब्यूटी पार्लर में पेडिक्योर पर खर्च करवाने की जगह डर्मेटोलॉजिस्ट से चेक करवाएं।

पूड़ी का आटा गूंथते समय सिर्फ 2 चम्मच सूजी मिलाने से हो जाता है कमाल, घंटों तक फूली रहती हैं पूड़ियां, जानिए तरीका

क्या आपकी पूड़ियां तलने के कुछ मिनट बाद ही पिचक जाती हैं या बहुत ज्यादा तेल सोख लेती हैं? अगर हां, तो आटा गूंथते समय थोड़ी सी सूजी मिलाने का आसान तरीका आपके बहुत काम आ सकता है. सूजी न सिर्फ पूड़ियों को लंबे समय तक फूला हुआ रखती है, बल्कि उनमें हल्का करारापन भी लाती है. यही वजह है कि कई हलवाई और अनुभवी गृहिणियां इस ट्रिक को अपनाती हैं. आइए जानते हैं कि आटे में सूजी मिलाने से क्या फायदे होते हैं और सही मात्रा कितनी होनी चाहिए.

त्योहार हो, मेहमान घर आए हों या फिर रविवार की खास सुबह, पूड़ी का नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है. गरमा गरम पूड़ियां जब आलू की सब्जी, छोले, रायता या खीर के साथ परोसी जाती हैं तो खाने का मजा कई गुना बढ़ जाता है. लेकिन कई लोगों की शिकायत रहती है कि घर पर बनाई गई पूड़ियां बाजार या हलवाई जैसी नहीं बनतीं. कभी वे कढ़ाई से निकालते ही बैठ जाती हैं, कभी बहुत ज्यादा तेल सोख लेती हैं और कभी उनमें वह हल्का करारापन नहीं आता जो अच्छी पूड़ी की पहचान माना जाता है. ऐसे में एक बेहद आसान किचन ट्रिक आपकी मदद कर सकती है.

यह ट्रिक है पूड़ी का आटा गूंथते समय उसमें थोड़ी सी सूजी मिलाना. सुनने में यह बात छोटी लग सकती है, लेकिन इसके फायदे इतने हैं कि एक बार अपनाने के बाद आप हर बार यही तरीका इस्तेमाल करना चाहेंगे.

आटे में कितनी सूजी मिलानी चाहिए

सूजी मिलाने का फायदा तभी मिलता है जब उसकी मात्रा सही हो. अगर मात्रा ज्यादा हो जाए तो आटा बहुत सख्त हो सकता है और पूड़ियां तलते समय फट भी सकती हैं. आमतौर पर 2 कप गेहूं के आटे में 2 से 3 चम्मच बारीक सूजी मिलाना पर्याप्त माना जाता है. आटा गूंथने के बाद उसे 10 मिनट तक ढककर रखना भी जरूरी है ताकि सूजी पानी सोखकर अच्छी तरह फूल जाए।

गर्मी में पौधों को कब दें पानी? गार्डन एक्सपर्ट ने बताया सही समय और तरीका

गर्मी के मौसम में पौधों को सही समय पर पानी देना बेहद जरूरी होता है. तेज धूप में गलत समय पर सिंचाई करने से पौधों की जड़ों और पत्तियों पर बुरा असर पड़ सकता है. गार्डन एक्सपर्ट के मुताबिक सुबह जल्दी या शाम 6 बजे के बाद सामान्य तापमान वाले पानी से सिंचाई करना सबसे बेहतर माना जाता है, जबकि मल्चिंग करने से मिट्टी की नमी लंबे समय तक बनी रहती है.

गर्मी का मौसम चल रहा है और तेज धूप और बढ़ते तापमान ने न सिर्फ इंसानों को गर्मी की मार झेलने के लिए मजबूर कर दिया है, बल्कि इससे पशु पक्षी और पेड़ पौधे भी प्रभावित हो रहे हैं. ऐसे में अगर आप भी गार्डन में अनिश्चित समय में किसी भी समय पौधों में पानी डाल देते हैं, तो यह पौधों के लिए काफी नुकसान साबित हो सकता है. ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं गर्मी के इस मौसम में गार्डन में पानी डालने का सही तरीका और सही नियम क्या है, क्योंकि लोग दिन में अगर गार्डन के पौधों में पानी डालते हैं, तो इससे पौधों की जड़ें गर्म पानी को अवशोषित करती हैं और इसका असर पौधों के विकास पर पड़ने लगता है.

समय का रखें विशेष ध्यान

गार्डन एक्सपर्ट इमरान लोकल 18 से बताते हैं कि गर्मी के मौसम में अपने गार्डन के पौधों को यदि हरा भरा रखना चाहते हैं और यह चाहते हैं कि पौधे सुरक्षित रहें और ना सूखें तो इसके लिए पानी डालने का समय निश्चित कर लें, क्योंकि दिन में यदि आप अपनी पौधों में डालते हैं तो यह पौधों के लिए नुकसान कर सकता है इसलिए गर्मी के इस मौसम में जब भी आप गार्डन में पानी डाल रहे हैं तो या तो खूब सुबह डालें या फिर शाम को 6 बजे के बाद क्योंकि शाम को पानी डालना सबसे उपयुक्त माना जाता है. इसके पीछे की वजह है कि रात में पानी पौधों की जड़ों में आसानी से चला जाता है और मौसम भी ठंडा होने की वजह से पानी का तापमान भी सामान्य रहता है।

जरूरत से ज्यादा न डालें पानी

गर्मी के मौसम में अधिकांशत: यह देखने को मिलता है कि लोग अपने गार्डन में पानी ज्यादा मात्रा में रखते हैं जिससे गर्मी पानी की अधिकता की वजह से पौधों से पानी को जल्दी अवशोषित नहीं कर पाती है और इसका पौधों पर विपरीत असर पड़ने लगता है. पौधों की जड़ों में अधिक पानी लगने की वजह से कभी-कभी पौधे सूख जाते हैं या फिर उनकी पत्तियां पीली होने लगती हैं. ऐसे में जरूरत से ज्यादा पानी डालने से बचना चाहिए.

मल्चिंग का करें इस्तेमाल

गर्मी में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग बहुत उपयोगी तरीका माना जाता है. पौधों के आसपास सूखी पत्तियां, घास, नारियल का बुरादा या भूसा बिछाने से मिट्टी जल्दी नहीं सूखती है. इससे पानी की बचत भी होती है और पौधों को बार-बार सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती है. मल्चिंग मिट्टी का तापमान नियंत्रित रखती है और जड़ों को तेज गर्मी से बचाती है. इसके अलावा यह खरपतवार को भी कम उगने देती है. खासकर किचन गार्डन और फूलों वाले पौधों में मल्चिंग करने से पौधे लंबे समय तक ताजे बने रहते हैं।

'अल्फा किलर' बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में दिखेगा खतरनाक रूप

मुंबई। यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।'

सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।'

'ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है', 'पेड्डी' को लेकर बोलीं जाह्नवी कपूर

मुंबई। आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है।

जाह्नवी कपूर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।'

साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है।

उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!

आज की पीढ़ी के पास हमसे बेहतर संसाधन, वे पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं : सुबोध भावे

मुंबई। अभिनेता सुबोध भावे इन दिनों फिल्म 'श्री बाबा नीब करोरी महाराज' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता का मानना है कि आज की युवा पीढ़ी के पास पुराने समय के मुकाबले बेहतर संसाधन मौजूद हैं और वे उनका अच्छा इस्तेमाल भी कर रहे हैं।

अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि युवा कलाकारों के पास पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा संसाधन और मौके हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हमारे जमाने में भी सोशल मीडिया होता, तो शायद हम भी उसका इसी तरह इस्तेमाल करते। युवा कलाकार पूरी ईमानदारी से, अपने ही तरीके से खुद को तलाशने और निखारने की कोशिश कर रहे हैं।'

उनका कहना है कि सोशल मीडिया को किसी भी कला में गिरावट की वजह नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह आज के दौर में हर किसी की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने कहा, 'मैं अक्सर देखता हूं कि युवा कलाकार सिर्फ सोशल मीडिया पर वक्त नहीं बिताते, बल्कि वे अभिनय की बारीकियों को सीखने के लिए वर्कशॉप में हिस्सा लेते हैं, दूर-दराज की जगहों पर जाते हैं और खुद को बेहतर बनाने के नए-नए तरीके खोजते हैं। 'सुबोध भावे को फिल्म इंडस्ट्री में व्यावसायिक और कलात्मक सिनेमा के बीच बेहतरीन संतुलन बनाने के लिए जाना जाता है। इसे लेकर उन्होंने युवा कलाकारों को सीख देते हुए कहा, 'हर कलाकार का अपना एक अलग सफर होता है।

तेलुगु और तमिल फिल्मों में दिलचस्पी, मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी, बताई वजह

मुंबई। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई।

हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं।

उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।'

साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी। 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है, 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है।

दिव्यांका और उनके पति ने सिक्योरिटी गार्ड को दिखाई बच्चों की झलक, मिला आशीर्वाद

मुंबई। अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी हाल ही में जुड़वा बच्चों की मां बनी हैं। बच्चों के जन्म के बाद से ही प्रशंसक उनकी एक झलक पाने और उनके बारे में जानने के लिए उत्साहित थे। शुक्रवार शाम को दिव्यांका और उनके पति अपने बच्चों के साथ अस्पताल से घर लौट आए।

इस बीच उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अस्पताल से अपने बेबी को घर लेकर जाती नजर आ रही हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री अपनी कार से बाहर निकलती दिखाई देती हैं। उन्होंने अपने बच्चों को सफेद रंग के कंबल में लपेट रखा है। इस दौरान उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद हैं। जैसे ही वह अपनी सोसायटी के गेट पर पहुंचीं, वहां मौजूद एक सुरक्षा गार्ड ने परिवार के लिए दरवाजा खोल दिया।

हालांकि, सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान दिव्यांका और सुरक्षा गार्ड के बीच हुई बातचीत ने खींचा। इस दौरान अभिनेत्री और उनके पति ने न सिर्फ गार्ड से बातचीत की, बल्कि अपने दोनों बच्चों की झलक भी दिखाई। इसके बाद सुरक्षा गार्ड ने स्नेहपूर्वक बच्चों को आशीर्वाद दिया, उनके सिर को पारंपरिक तरीके से छूकर शुभकामनाएं दीं।

यह सहज और भावुक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यूजर्स दिव्यांका की विनम्रता और गर्मजोशी की जमकर सराहना कर रहे हैं।

इस साल मार्च में गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर दिव्यांका और विवेक ने सोशल मीडिया के जरिए प्रेग्नेंसी की जानकारी साझा की थी। इसके बाद 26 मई को उनके घर बच्चों का जन्म हुआ।

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया टीवी इंडस्ट्री के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों की मुलाकात टीवी शो 'ये है मोहब्बतें' के सेट पर हुई थी। साथ काम करते हुए दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। जनवरी 2016 में दोनों ने सगाई की और इसके करीब पांच महीने बाद, जुलाई 2016 में भोपाल में शादी कर ली।

अब शादी के कुछ सालों के बाद अब दोनों के घर में दो-दो बेटों का जन्म हुआ, जिससे उनकी जिंदगी में एक नए और बेहद खूबसूरत अध्याय की शुरुआत हो चुकी है।

कॉमेडी किंग कृष्णा अभिषेक को जन्मदिन पर टीवी सेलेब्स ने दीं बधाईयां

मुंबई। मशहूर हास्य कलाकार-अभिनेता कृष्णा अभिषेक शनिवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर उनके दोस्तों और परिवार के सदस्यों ने जन्मदिन की बधाई दीं।

कृष्णा अभिषेक की बहन और अभिनेत्री आरती सिंह ने इंस्टाग्राम के जरिए भाई को जन्मदिन की शुभकामानाएं दी। उन्होंने अपने भाई के साथ वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि हर जन्म में मुझे आप जैसा भाई मिले। आप ही एक ऐसे इंसान हैं, जो मुझे सबसे ज्यादा परेशान कर सकते हैं और फिर भी बच निकलते हैं। असल में मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आप यह बात अच्छी तरह जानते हैं। मुझे सारी खुशियां देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। 'उन्होंने आगे लिखा, 'ईश्वर करे आप पर किसी की बुरी नजर न लगे। आप हमेशा खुश, स्वस्थ और अपने पूरे परिवार के साथ सुखी रहें। अभिनेत्री अंकिता लोखंड ने जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लाफ्टर सेफ के सेट का

वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'मेरे सबसे प्यारे शरारती साथी और हर मुश्किल वक्त व मस्ती में साथ देने वाले दोस्त कृष्णा को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।'

अभिनेता और हास्य कलाकार सुदेश लहरी ने इंस्टाग्राम पर कृष्णा अभिषेक के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'जन्मदिन की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं कृष्णा अभिषेक हमेशा खुश रहो। अभिनेत्री तनाज ईरानी ने इंस्टाग्राम पर कृष्णा अभिषेक जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'टैलेंट के पावरहाउस को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। तू मेरा बच्चा है... आज खाने-पीने की पूरी जिम्मेदारी तेरी है, समझे ना? हास्य कलाकार-अभिनेता कृष्णा अभिषेक ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल,' 'द कपिल शर्मा शो,' और 'कॉमेडी सर्कस' समेत कई टेलीविजन शो में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

इजरायल का दक्षिण लेबनान के 3 इलाकों को खाली करने का आदेश, हमले में तीन की मौत

तेल अवीव/बेरूत। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान के नबातियेह जिले के मायफदौन, चौकीन और जेबदीन कस्बों व गांवों के लोगों को इलाका खाली करने का आदेश दिया है। इस बीच लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि शनिवार को एयर स्ट्राइक में तीन लोगों की मौत हो गई।

दक्षिणी लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनए ने कहा कि इजरायली हवाई हमलों में 3 लोगों की मौत हो गई। टायर शहर में एक घर पर एयरस्ट्राइक हुई, जिसमें एक शख्स और उसके बेटे की मौत हो गई। हमले में परिवार के 7 अन्य सदस्य भी घायल हो गए। इसके अलावा इजरायली सेना ने शरीफा-हब्बूश-नबातियेह रोड पर भी हमला किया, जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

इससे पहले, इजरायली सेना ने एक्स पोस्ट में कहा कि सभी लोग 'तुरंत अपने घर छोड़ दें और जहरानी नदी के उत्तर की ओर जाएं।' एक अन्य पोस्ट में दावा किया गया कि हिजबुल्लाह की तरफ से दागे गए कई रॉकेट दक्षिणी लेबनान के सेंट जॉर्जेस ऑर्थोडॉक्स चर्च और मरजायौन के ईसाई इलाकों में गिरे। इजरायली सेना के अनुसार, चर्च के आसपास के इलाके में उसके सैनिक मौजूद नहीं थे। सेना के मुताबिक, यह घटना हिजबुल्लाह से आम लोगों को होने वाले खतरे को दर्शाती है।

आईडीएफ ने यह भी कहा कि रॉकेट हमलों में आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अभी तक किसी हताहत की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। उनके मुताबिक रातभर चले अभियान में हिजबुल्लाह के एक रॉकेट लॉन्चर को नष्ट कर दिया गया। कथित तौर पर इस लॉन्चर से उत्तरी इजरायल की तरफ रॉकेट दागे गए थे।

इसके अलावा, इजरायली सेना ने लेबनान की तरफ से उत्तरी इजरायल में एक हमले को भी रोक दिया है। हालांकि सेना ने यह साफ नहीं किया कि यह रॉकेट था या ड्रोन। अभी तक किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है।

महात्मा बुद्ध के शिष्यों के अस्थि अवशेष दिल्ली से मंगोलिया पहुंचाने में 'गजराज' ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली। 'गजराज' ने एक अहम मिशन को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई है। दो देशों के संबंधों को और समृद्ध करने की जिम्मेदारी इसने निभाई। 'गजराज' भारतीय वायुसेना का प्रमुख भारी भरकम परिवहन विमान है और इसे आईएल-76एमडी नाम से भी जाना जाता है।

भारतीय वायुसेना के जनसंपर्क विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि वायुसेना का ये बड़ा विमान शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को दिल्ली से मंगोलिया ले जाने के मिशन में शामिल रहा। यह मिशन सांस्कृतिक कूटनीति और भारत की सभ्यतागत विरासत के वैश्विक प्रसार का प्रतीक माना जा रहा है।

बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के अवशेषों को ज्ञान, करुणा और मोक्ष के प्रतीक के रूप में अत्यंत श्रद्धा से देखा जाता है। मंगोलिया में इन अवशेषों का प्रदर्शन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करता है।

भारत और मंगोलिया बौद्ध धर्म की साझा विरासत के माध्यम से ऐतिहासिक रूप से जुड़े हुए हैं, और यह मिशन उस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रिश्ते को और गहराई प्रदान करता है। आगे लिखा गया कि भारतीय वायुसेना के लिए यह केवल एक लॉजिस्टिक मिशन नहीं था, बल्कि आस्था, विरासत और अंतरराष्ट्रीय मित्रता को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास था, जिसे गजराज के सहारे अंजाम दिया गया। तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि एयरपोर्ट पर पूरे विधि-विधान के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के हाथों में सौंपा गया, जिसकी अगुवाई असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने की। इनमें महात्मा बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों अरहंत सारिपुत्र और अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेष हैं। इन अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 9 जून तक प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है और इसे दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत को दर्शाने वाली एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और कूटनीतिक पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

नन हांगकांग में पत्रकार को जेल, प्रेस संगठन ने की निंदा

पेरिस। पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता संगठन रिपोर्टर्स विद्आउट बॉर्डर्स (आएसएफ) ने हांगकांग के वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व हांगकांग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (एचकेजेए) प्रमुख रॉनसन चान को जेल की सजा दिए जाने की कड़ी निंदा की है। चान को 'पुलिस अधिकारी के कार्य में बाधा डालने' के आरोप में पांच दिन जेल की सजा सुनाई गई है। सजा को त्वरित प्रभाव से लागू कर दिया गया। आरएसएफ के अनुसार, चान को सितंबर 2022 में हांगकांग के मोंगकॉक इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी की बैठक की रिपोर्टिंग करते समय गिरफ्तार किया गया था, जब वे एक सादे कपड़ों वाले पुलिस अधिकारी से सवाल कर रहे थे। इसे ही पुलिस ने संदिग्ध माना। आरएसएफ एशिया पैसिफिक की एडवोकेसी मैनेजर एलेक्जेंड्रा बिएलाकोव्स्का ने कहा, 'यह फैसला स्वतंत्र पत्रकारिता को दबाने का उदाहरण है और इससे प्रेस स्वतंत्रता पर गंभीर असर पड़ेगा। इस फैसले ने पुलिस को पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है।'रॉनसन चान इससे पहले बंद हो चुके मीडिया संस्थान स्टैंड न्यूज में डिप्टी असाइनमेंट एडिटर रह चुके हैं, जिसे 2021 में पुलिस छापे के बाद बंद कर दिया गया था।

जिया उर रहमान की पुण्यतिथि पर भारत का श्रद्धांजलि संदेश, बांग्लादेश के साथ साझेदारी मजबूत करने पर जोर

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया उर रहमान की 45वीं पुण्यतिथि पर भारत ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को बांग्लादेश में मौजूद भारतीय उच्चायोग ने उनके ऐतिहासिक 'मार्च 1971' के रेडियो संबोधन को याद किया।कहा कि यह संबोधन उस समय जनता के लिए प्रेरणा बना और उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध की भावना को मजबूत किया, जो आगे चलकर बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में महत्वपूर्ण साबित हुआ। नई दिल्ली ने भरोसा दिलाया कि बांग्लादेश के साथ भारत हर परिस्थिति में खड़ा रहेगा। कहा कि दोनों देशों ने विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए काफी कुर्बानी दी है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज जब बांग्लादेश अपने देश के महान सपूतों में से एक पूर्व राष्ट्रपति जिया उर रहमान बीर उत्तम को याद कर रहा है, तो हमें ऐतिहासिक मार्च 1971 के रेडियो संबोधन का स्मरण हो रहा है। उस भाषण ने जनता में गजब का जोश भर दिया था, उन्हें अत्याचारियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने को प्रेरित किया, जिससे अंततः स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ।' मिशन ने आगे कहा, 'आज भारत बांग्लादेश के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने को तैयार है। हम लोगों ने साझा बलिदान दिया है और अपने देश को प्रगति मार्ग पर प्रशस्त करने को हमेशा तैयार हैं।'

बोधगया पहुंचे म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग, राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने किया स्वागत

पटना। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने अपने भारत दौरे की शुरुआत बिहार के बोधगया से की है। पड़ोसी देश के साथ सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करते हुए म्यांमार के राष्ट्रपति का बोधगया आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें हवाई अड्डे पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) जनरल सैयद अता हसनैन ने रिसीव किया। यू पांच दिवसीय (30 मई से 3 जून) राजकीय दौरे पर भारत आए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरों के साथ उनके बोधगया पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच गहरे आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, और पीपल-टू-पीपल संबंधों को दर्शाती है। साथ ही, यह दोनों देशों के बीच जारी सहयोग और पारस्परिक साझेदारी की मजबूती को भी रेखांकित करती है।

मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कार्यक्रमानुसार, म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों वाला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। राष्ट्रपति के रूप में यह उनका पहला भारत दौरा है।

नई दिल्ली में 1 जून को राष्ट्रपति ह्लाइंग और प्रधानमंत्री मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी, जिसमें दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रपति ह्लाइंग एक बिजनेस फोरम में भी भाग लेंगे।

शनिवार को बोधगया के बाद 2 जून को यू मिन मुंबई दौरे पर रहेंगे, जहां वे व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और विभिन्न स्थलों का भ्रमण करेंगे।

भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर' नीतियों के केंद्र में स्थित म्यांमार दोनों देशों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साझेदार है। माना जा रहा है कि यह यात्रा भारत-म्यांमार संबंधों को और अधिक गहराई और मजबूती प्रदान करेगी।

दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल सौंपने में संतुलन जरूरी

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल (ओपीसीओएएन) हस्तांतरित करने की प्रक्रिया में ऐसा संतुलन होना चाहिए, जिसमें दशकों से निभाई जा रही अमेरिकी सैन्य जिम्मेदारियों और भूमिका का सम्मान बना रहे।

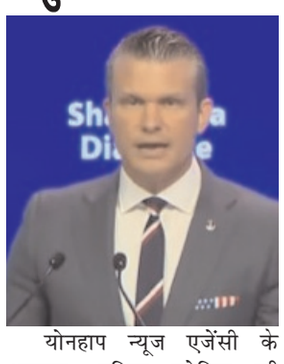

हेगसेथ ने यह बात सिंगापुर में एक डिफेंस फोरम में कही। फिलहाल सोल और वाशिंगटन के बीच ट्रांजिशन कब और कैसे आगे बढ़े इसे लेकर राय अलग-अलग है। एशिया सिक्योरिटी समिट को शांगरी ला डायलॉग के नाम से भी जाना जाता है। हेगसेथ ने यहां कहा,' अमेरिका युद्धकालीन नियंत्रण वापस लेने की दक्षिण कोरिया की इच्छा का स्वागत करता है, लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सैन्य योजनाओं और जिम्मेदारियों के बीच उचित संतुलन बना रहे।'

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिण कोरिया की सरकार 2028 तक अमेरिका से युद्धकालीन ऑपरेशनल कंट्रोल वापस लेने की योजना बना रही है, ताकि राष्ट्रपति ली जे म्युंग के कार्यकाल के दौरान यह प्रक्रिया पूरी हो सके। हालांकि, इस समयसीमा को लेकर सोल और वाशिंगटन के बीच मतभेद की आशंकाएं भी सामने आई हैं। इस बीच, यूएस फोर्सेज कोरिया कमांडर जनरल जेवियर ब्रूनसन के एक बयान ने संशय पैदा कर दिया।

प्योंगयांग एक चुनौती, दक्षिण कोरिया बढ़ाएगा अपनी रक्षा क्षमता: मंत्री आह्न ग्यु-बैक

सिंगापुर। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग में साउथ कोरिया ने नॉर्थ कोरिया से मिलने वाली चुनौती को चिंताजनक बताया। रक्षा मंत्री आह्न ग्यु-बैक ने शनिवार को कहा कि बदलते सुरक्षा हालात और उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरे के बीच सोल अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ अमेरिका के साथ अपने गठबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर देगा।

रक्षा सम्मेलन में आह्न ने कहा कि उत्तर कोरिया का रूस के साथ बढ़ता सैन्य सहयोग और यूक्रेन युद्ध से प्राप्त उसका अनुभव न केवल कोरियाई प्रायद्वीप बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रहा है।

एशियाई सुरक्षा सम्मेलन में आह्न ने कहा, 'उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा रहे हैं और यह वैश्विक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बन चुके हैं।'

उन्होंने बताया, 'द रिपब्लिक ऑफ कोरिया दक्षिण कोरिया अमेरिका के साथ अपने गठजोड़ को गति देने के साथ ही अपनी क्षमताओं को और बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है।'

आह्न के अनुसार, 'थ्री-एक्सिस डिफेंस सिस्टम' जिसमें मिसाइल डिफेंस (केएएमडी), प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक प्लेटफॉर्म 'किल चेन' और 'कोरिया मैसिव पनिशमेंट एंड रिटेलिएशन सिस्टम' शामिल हैं, को और मजबूत कर रहा है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ विस्तारित प्रतिरोध सहयोग को और मजबूत किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका की संपूर्ण सैन्य क्षमता का लाभ उठाया जा सके।

दुनिया भर में संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा में 2025 में भारी बढ़ोतरी : यूएन रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में दुनिया भर में युद्ध और संघर्ष के दौरान होने वाली यौन हिंसा के मामलों में पिछले साल के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की सालाना रिपोर्ट में कहा गया है, '2025 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से सत्यापित किए गए संघर्ष के दौरान जुड़े यौन हिंसा के मामलों में 2024 की तुलना में तेजी से बढ़ोतरी हुई। इन मामलों में बेहद क्रूरता देखने को मिली, और ज्यादातर मामलों में महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाया गया।'

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में संघर्ष से जुड़े यौन हिंसा के कुल 9,788 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2024 के आंकड़ों (4,617 मामले) से दोगुनी से भी ज्यादा है। यह रिपोर्ट गुरुवार को सुरक्षा परिषद को सौंपी गई थी और शुक्रवार को इसे प्रेस के लिए जारी किया गया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संघर्ष से जुड़े यौन हिंसा के इन मामलों को पूरी तस्वीर नहीं समझा जाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब संघर्ष जारी था, असुरक्षा का माहौल था और मानवीय सहायता पहुंचाने में रुकावटें आ रही थीं, तब उल्लंघन के कई मामले सामने ही नहीं आ पाए या उनकी रिपोर्टिंग ठीक से नहीं हो पाई। इसके अलावा, मिशन में कटौती और बजट में कटौती के कारण भी रिपोर्टिंग और दस्तावेजीकरण का काम प्रभावित हुआ। इन कटौतियों में अक्सर लिंग और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी विशेष क्षमताओं को सबसे पहले कम किया जाता था। इस 17वीं सालाना रिपोर्ट में संघर्ष से जुड़े यौन हिंसा के मामलों के लिए कुल 77 पक्षों (पार्टियों) को सूचीबद्ध किया गया है।

चीनी बच्चों के स्वस्थ विकास से शी चिनफिंग को बड़ी उम्मीदें

बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 18वीं राष्ट्रीय कांग्रेस से कामरेड शी चिनफिंग से केंद्रित सीपीसी केंद्रीय कमेटी बच्चों के कार्यों को बड़ा महत्व देती आई है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कई मौकों पर बालकों और बच्चों को आशीर्वाद दिया कि वे स्वस्थ विकास कर बड़े होने के बाद राष्ट्रीय पुनरुत्थान का स्तंभ बनें।

शी की नजर में बचपन जीवन में सबसे मूल्यवान समय है। इस दौरान जीवन का सही लक्ष्य स्थापित करने पर ध्यान देना है। 30 मई 2014 को 'एक जून' अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस आने से पहले वे पेइचिंग हाईत्येन मिनत्सु प्राइमरी स्कूल आए। छात्रों के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि जब मैं छोटा था, तो इतिहास में राष्ट्रीय वीर युए फेइ की पूर्ण निष्ठा से देश की सेवा करने की कहानी ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला।

देश की सेवा करना मेरे जीवन का लक्ष्य है। दिसंबर 2019 में शी चिनफिंग ने मकाऊ के दौरे में विशेष कर हाओच्यांग मिडिल स्कूल के अधीन इंगत्साई प्राइमरी स्कूल के बच्चों को देखा। उन्होंने कहा कि एक चीनी व्यक्ति के नाते चीनी इतिहास, संस्कृति और भावना को समझना है। 5 हजार वर्ष पुरानी संस्कृति समझ कर हमें स्वाभाविक रूप से अपने राष्ट्र पर गर्व और स्वाभिमान पैदा होता है।

शांगरी ला डायलॉग : भारत-यूरोपीय संघ के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा

सिंगापुर। भारत के रक्षा मंत्रालय के सचिव राजेश कुमार सिंह ने यूरोपियन एक्सर्टनल एक्शन सर्विस यानी यूरोपीय बाह्य कार्रवाई सेवा (ईईएएस) की महासचिव बेलेन मार्टिनिज कॉर्नबोनेल और यूरोपीय संघ सैन्य समिति के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एनरिको बर्दुआनी के साथ बातचीत की। तीन दिवसीय संवाद सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ।

रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क निदेशालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। बताया कि इस बैठक में भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाया गया। चर्चा में साझा सुरक्षा हितों और रक्षा तथा रणनीतिक सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। शुक्रवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) की मिलिट्री कमेटी के चेयरमैन एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन और अमेरिका के इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पैपारो से भी मुलाकात की थी। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, रणनीतिक बातचीत को मजबूत करने, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी मजबूत करने और नई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा हुई। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क निदेशालय ने एक्स पर ज्यूसेपे से हुई मुलाकात पर लिखा, 'रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने एसएलडी-26 के दौरान नाटो मिलिट्री कमेटी के चेयरमैन एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन से बातचीत की। चर्चा का मुख्य फोकस रणनीतिक संवाद को मजबूत करना और बदलती वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर विचार साझा करना था। इस बातचीत ने बड़े बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया।'

विनेश फोगाट एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई करने से चूकीं

नई दिल्ली। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट शनिवार को सेलेक्शन ट्रायल्स के दौरान 53 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत के खिलाफ 4-6 से हार गईं। इसी के साथ विनेश एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई हैं।

इस हार के साथ ही विनेश की वापसी की कोशिश और इस साल के आखिर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई करने का मौका खत्म हो गया। विनेश को सुप्रीम कोर्ट और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के दखल के बाद ही इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अनुमति मिली थी, लेकिन 31 वर्षीय विनेश की इस हार के साथ पिछले 48 घंटों के उतार-चढ़ाव भरे और भावनात्मक रूप से बेहद तनावपूर्ण दौर का अंत भी हुआ।

विनेश ने ट्रायल्स में ऐसे समय में हिस्सा लिया, जब उनकी भागीदारी को लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई थी। डब्ल्यूएफआई ने शुरुआत में उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग तक ही सीमित रखा था, जिसका उन्होंने कड़ा विरोध किया। महासंघ के भीतर हुई चर्चाओं और डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह के दखल के बाद, शनिवार सुबह इस फैसले को बदल दिया गया और उन्हें उनके पसंदीदा 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दे दी गई।

शनिवार को पहले मुकाबले में विनेश ने ज्योति के खिलाफ 7-1 से शानदार जीत दर्ज की, लेकिन क्वार्टरफाइनल मुकाबला उनके लिए कहीं ज्यादा कठिन परीक्षा साबित हुआ। निशु का सामना करते हुए, विनेश को एक कड़े मुकाबले से गुजरना पड़ा, जिसका नतीजा आखिरी पलों तक अनिश्चित बना रहा। अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए, विनेश ने 7-6 से करीबी जीत हासिल की और टॉप-4 में अपनी जगह बनाई। विनेश एशियन गेम्स में जगह बनाने के अपने लक्ष्य से सिर्फ 2 जीत दूर रह गईं।

हालांकि, जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, ट्रायल्स का माहौल और भी ज्यादा तनावपूर्ण होता गया। आयोजन स्थल से मिली रिपोर्ट्स के अनुसार, विनेश के क्वार्टरफाइनल मुकाबले के दौरान डब्ल्यूएफआई के कोचों और अधिकारियों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

केरल में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज, 24 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद

तिरुवनंतपुरम। केरल में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया है। डीआरआई ने इस दौरान केरल भर में 24 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थ जब्त किए हैं।

'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत डीआरआई की कोचीन इकाई ने कोच्चि, मलप्पुरम और तिरुवनंतपुरम में समन्वित अभियानों में मेथाक्वालोन, मेथाम्फेटामाइन और हशीश तेल की भारी मात्रा जब्त की। नशीली दवाओं और मनोरोगी पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत तस्करी नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े प्रमुख गुर्गों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया।

डीआरआई के अनुसार, प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी यात्री सामान, कूरियर खेप और निर्यात कार्गो सहित कई चैनलों के माध्यम से की जा रही थी, जो मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा अपनाए जा रहे तेजी से परिष्कृत तरीकों को उजागर करता है। यह ताजा कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब केरल सरकार ने मादक पदार्थों और मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ एक नया युद्ध छेड़ दिया है। शुक्रवार को विधानसभा सत्र के उद्घाटन के अवसर पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर द्वारा दिए गए नीतिगत भाषण में सरकार ने आबकारी विभाग के व्यापक पुनर्गठन की घोषणा की। सरकार ने विभाग को प्रौद्योगिकी-सक्षम, खुफिया जानकारी पर आधारित एजेंसी में बदलने का प्रस्ताव रखा है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगठित मादक पदार्थों के नेटवर्क को नष्ट करना और समाज के कमजोर वर्गों की रक्षा करना है। सरकार ने कहा कि आधुनिक आबकारी विभाग डिजिटल निगरानी उपकरणों, साइबर निगरानी प्रणालियों, मजबूत खुफिया नेटवर्क और मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखलाओं की पहचान करने और उन्हें बाधित करने के लिए विशेष प्रवर्तन क्षमताओं से लैस होगा।

संक्षिप्त खबर

कोटमी गोलीकांड के आरोपियों पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित, दबिश जारी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कोटमी साप्ताहिक बाजार में हुए गोलीकांड और लूट की घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामगोपाल गर्ग ने आरोपियों पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी है। जानकारी के अनुसार, 26 मई को कोटमी साप्ताहिक बाजार में अज्ञात बदमाशों ने व्यापारी प्रदीप सोनी को निशाना बनाया था। आरोपियों ने उन पर गोली चलाने के बाद सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। घायल व्यापारी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी थी। इस मामले में पेंड्रा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना के बाद से पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। कई स्थानों पर दबिश दी गई है और संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। लेकिन, अब तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और लोगों से सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से बिलासपुर रेंज के आईजी राम गोपाल गर्ग ने पहले घोषित 5 हजार रुपये के इनाम को बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दिया है।

म्यांमार के राष्ट्रपति ह्लाइंग ने महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने शनिवार को बोधगया स्थित पवित्र महाबोधि मंदिर का दौरा कर पूजा-अर्चना की। विदेश मंत्रालय ने इसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव का परिचायक बताया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच गहरे आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाती है। दोनों देशों के रिश्ते साझा बौद्ध विरासत पर आधारित हैं, जिसने पीढ़ियों से दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से जोड़े रखा है। राष्ट्रपति ह्लाइंग की यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक और पीपल-टू-पीपल संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पांच दिवसीय (30 मई से 3 जून) राजकीय दौरे की शुरुआत राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने बिहार के बोधगया से की। पड़ोसी देश के साथ सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करते हुए म्यांमार के राष्ट्रपति का बोधगया आगमन पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) जनरल सैयद अता हसनैन ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कार्यक्रमानुसार, म्यांमार के राष्ट्रपति ह्लाइंग, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों वाला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी है। राष्ट्रपति के रूप में यह उनका पहला भारत दौरा है।

यूपी में 1900 से अधिक नर्सरियों में तैयार किए जा रहे 52.44 करोड़ पौधे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश पर वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग पौधरोपण महाभियान-2026 की तैयारियों में जुट गया है। इस वर्ष भी मानसून सीजन में जनसहभागिता से 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। इसके निमित्त 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए जा रहे हैं। विगत नौ वर्ष में उत्तर प्रदेश ने 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया है।

नोडल विभाग (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन) सर्वाधिक 15 करोड़ से अधिक पौधरोपण करेगा। इसे लेकर जिला पौधरोपण समिति की नियमित बैठकें भी चल रही हैं। इस बार भी कई नवीन वन स्थापित होने के साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी 5.50 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को भी वृहद पौधरोपण कार्यक्रम होगा। मानसून सीजन में वृहद पौधरोपण के लिए वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग निरंतर बैठक, संवाद स्थापित कर रहा है।

इसके साथ ही पौधों को लेकर भी विभाग की तैयारी चल रही है। 1900 से अधिक नर्सरियों में 52.44 करोड़ पौधे तैयार कराया जा रहा है। इसमें औद्योगिक व इमारती, चारा व शोभाकार, पर्यावरणीय, फलदार, औषधीय समेत सभी प्रकार के पौधे तैयार किए जा रहे हैं। प्रदेश के एक्सप्रेसवे के किनारे भी पौधरोपण किया जाएगा।

इस बार विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। 594 किमी. लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की दोनों पटरियों पर वन विभाग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधरोपण करेगा। दोनों पटरी पर हर एक किमी. पर हरिशंकरी रोपा जाएगा, जबकि बीच-बीच में पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, गूलर, महुआ, आम, अर्जुन, चिलबिल, अमलतास, कचनार, जकरकंडा, गुलमोहर आदि प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी सुरक्षा के लिए तार से फेंसिंग व सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सुनिश्चित की जाएगी।

पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय दिखावटी कदम उठा रही सरकार : केजरीवाल

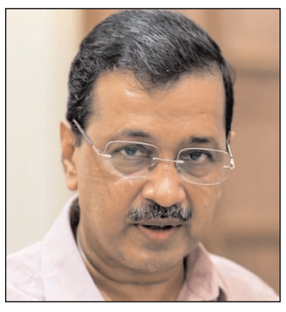

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश को अब एक शिक्षित प्रधानमंत्री की आवश्यकता है, जो शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं को समझ सके और उनका वास्तविक समाधान निकाल सके। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नीट परीक्षा में पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल दिखावटी कदम उठा रही है।

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा नीट परीक्षा के प्रश्नपत्रों को वायुसेना के विमान और बुलेटप्रूफ वाहनों के माध्यम से परिवहन करने की घोषणा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह फैसला समस्या के समाधान के बजाय केवल एक दिखावा है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या एयरफोर्स के विमान इस्तेमाल करने से पेपर लीक रुक जाएगा? उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में बड़ी-बड़ी परीक्षाएं आयोजित होती हैं, लेकिन कहीं भी प्रश्नपत्रों को इस तरह से परिवहन करने की व्यवस्था नहीं की जाती।

केजरीवाल ने कहा कि यदि सरकार की नीयत सही होती तो वह यह पता लगाने का प्रयास करती कि आखिर प्रश्नपत्र लीक कहां से हो रहे हैं और उन खामियों को दूर करती।

रुद्रप्रयाग में खाई में गिरी कार तीन की मौत, पांच घायल

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीरी-पेलिंग मोटर मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर लगभग 50 फीट गहरी खाई में गिर गई।

खाई में गिरने के बाद वाहन एक पेड़ पर अटक गया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। हालांकि, दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर 12:15 बजे वाहन बांसवाड़ा से पेलिंग और उथिंड गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और राहत एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। रुद्रप्रयाग के पुलिस उपाधीक्षक विकास पुंडीर के नेतृत्व में ऊखीमठ पुलिस, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से संयुक्त रूप से बचाव अभियान चलाया गया। रेस्क्यू टीमों ने काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि भेजा। घायल होने वालों में रेशमा देवी, पांच वर्षीय दक्षित, तीन वर्षीय सान्वी, आठ वर्षीय विहान और दस वर्षीय वैभव शामिल हैं। सभी का इलाज जारी है और उनके स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 68 वर्षीय महेंद्र सिंह, 42 वर्षीय अंजन सिंह और 32 वर्षीय संगीता देवी के रूप में हुई है।

राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट अगले 4-5 दिन तक बदला रहेगा मौसम

जयपुर। राजस्थान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के प्रभाव से मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई संभागों में आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में आंधी और बारिश दर्ज की गई। धौलपुर जिले के बाड़ी क्षेत्र में सर्वाधिक 58 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार को बीकानेर, जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर भारी बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा मौसम प्रणाली के प्रभाव से राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलेगी। आईएमडी के अनुसार वर्तमान मौसम गतिविधियों के पीछे कई वायुमंडलीय प्रणालियां सक्रिय हैं। उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जो समुद्र तल से 3.1 से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने शिलांग में रोडोडेंड्रोन ट्रैक में हिस्सा लिया

शिलांग। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 29 से 31 मई तक तीन दिवसीय दौरे पर शिलांग पहुंचे। यहां उन्होंने शनिवार को शिलांग में मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के बीच, माई भारत के उत्साही स्वयंसेवकों के साथ एक रोडोडेंड्रोन ट्रैक में हिस्सा लिया।

ट्रैक के दौरान खेल मंत्री युवाओं के साथ बातचीत करते हुए नजर आए। उन्होंने युवाओं के बीच फिटनेस, रोमांच, पर्यावरण जागरूकता और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने माई भारत के स्वयंसेवकों की ऊर्जा और समर्पण की सराहना की, और युवाओं को ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जो शारीरिक तंदुरुस्ती और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को बढ़ावा देती हैं। बता दें कि मेघालय के लुभावने नजारों और रोडोडेंड्रोन के रंग-बिरंगे रास्तों से गुजरता यह ट्रैक, सामूहिक भागीदारी और साझा अनुभवों के माध्यम से 'युवा जुड़ाव,' फिटनेस और राष्ट्र निर्माण की भावना को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता को जारी कर दी गई दो वोटर आईडी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मिथुन अहिरवार ने चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि पहले उनका वोटर लिस्ट से नाम काट दिया गया था और अब उनकी एक नहीं दो वोटर आईडी जारी कर दी गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मिथुन अहिरवार ने बताया कि पिछली एसआईआर प्रक्रिया में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया था। बाद में चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया था। हालांकि उनका नाम दोबारा जोड़ने के बजाय चुनाव आयोग ने उनके नाम से दो नई वोटर आईडी जारी कर दी हैं।

आश्चर्यजनक बात यह है कि दोनों वोटर आईडी में नाम, पिता का नाम और पता पूरी तरह समान है, केवल वोटर आईडी नंबर अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार दावा करता रहा है कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। यदि वास्तव में ऐसा हुआ है तो फिर एक ही व्यक्ति के नाम पर दो नई वोटर आईडी कैसे जारी हो गईं? जब आधार कार्ड जैसे यूनिक पहचान दस्तावेज उपलब्ध कराए गए, तब भी यह गंभीर त्रुटि कैसे हुई? आयोग यह भी बताए कि जारी की गई वोटर आईडी में से वैध कौन सी है और अवैध कौन सी? उन्होंने चुनाव आयोग से यह भी पूछा कि कुछ समय पहले आयोग की ओर से कहा गया था कि जिन मतदाताओं के नाम पिछली सूची से हट गए हैं, वे अपने पुराने मतदाता पहचान पत्र के आधार पर मतदान कर सकेंगे। यदि ऐसा है तो क्या अब वे अपनी पुरानी वोटर आईडी और नई जारी दोनों वोटर आईडी के आधार पर मतदान करने के पात्र होंगे?

क्या एक व्यक्ति को तीन-तीन वोट डालने का अधिकार मिल गया है? मिथुन अहिरवार ने कहा कि यदि यह स्थिति एक राजनीतिक दल के प्रवक्ता के साथ हो सकती है, तो आम नागरिकों के साथ क्या हुआ होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। एक ही घर में कितने-कितने डुप्लीकेट वोटर जोड़े गए होंगे और कितने वास्तविक मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हुए होंगे, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पूरी एसआईआर पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लाखों लोगों का समय और संसाधन लगाए गए, लेकिन यदि परिणामस्वरूप मतदाता सूची में ऐसी गंभीर खामियां सामने आ रही हैं तो इस पूरी प्रक्रिया का औचित्य ही प्रश्नों के घेरे में आ जाता है।

पृथ्वी से ज्यादा गड्ढों से भरा है चंद्रमा, जानें क्यों नहीं मिटते क्रेटर्स के निशान

नई दिल्ली। 31 मई को आसमान में पूर्णिमा यानी फुल मून का सुंदर नजारा देखने को मिलेगा। चंद्रमा हमेशा से लोगों के लिए आकर्षण और जिज्ञासा का विषय रहा है। इसकी चमक, आकार में बदलाव और सतह पर दिखाई देने वाले गड्ढे (क्रेटर्स) अक्सर लोगों के मन में कई सवाल पैदा करते हैं। इन्हीं सवालों में से एक सबसे आम सवाल यह है कि चंद्रमा पर इतने अधिक गड्ढे क्यों दिखाई देते हैं, जबकि पृथ्वी पर ऐसे गड्ढे बहुत कम नजर आते हैं?

चंद्रमा को निहारेंगे तो उसकी सतह पर बने हजारों गड्ढे आसानी से दिखाई देंगे। चंद्रमा पर ये गड्ढे (क्रेटर्स) देखकर अक्सर सवाल उठता है कि आखिर ये इतने सारे गड्ढे चंद्रमा पर क्यों हैं, जबकि पृथ्वी पर 180 के करीब ही ज्ञात गड्ढे हैं? ऐसे में वैज्ञानिक बताते हैं कि चंद्रमा पर गड्ढों की भरमार का सबसे बड़ा कारण है कि वहां कोई वातावरण नहीं है। पृथ्वी और चंद्रमा दोनों ही पिछले 4.5 अरब सालों से अंतरिक्ष में उल्कापिंडों और क्षुद्रग्रहों के हमलों का शिकार रहे हैं। लेकिन पृथ्वी इन निशानों को मिटा देती है, जबकि चंद्रमा उन्हें सदियों तक संजोए रखता है।

पृथ्वी गड्ढों को क्यों मिटा देती है? पृथ्वी पर तीन प्रमुख प्रक्रियाएं गड्ढों को लगभग पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। पहली प्रक्रिया – अपरदन, इसमें पृथ्वी पर हवा, बारिश, नदियां, समुद्र और पेड़-पौधे निरंतर काम करते रहते हैं। ये सब मिलकर चट्टानों को तोड़ते-घिसते रहते हैं। समय के साथ कोई भी गड्ढा धीरे-धीरे भर जाता है या पूरी तरह मिट जाता है।

वहीं, चंद्रमा पर वायुमंडल नहीं है, इसलिए न हवा है, न पानी है और न मौसम। एक बार कोई उल्कापिंड टकरा जाए तो उसका निशान लाखों-करोड़ों साल तक वैसा ही बना रहता है। यही वजह है कि चंद्रमा पर एस्ट्रोनॉट्स के पैरों के निशान आज भी बरकरार हैं।

दूसरी प्रक्रिया प्लेट टेक्टोनिक्स है, जिसमें पृथ्वी की सतह लगातार हिलती-डुलती और नई चट्टानें बनती हैं, पुरानी चट्टानें अंदर धंस जाती हैं। इस वजह से पुराने गड्ढे दब जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। चंद्रमा पर ऐसी कोई गतिविधि नहीं है। वहां अरबों साल से सतह स्थिर है, इसलिए गड्ढे जस के तस बने हुए हैं।

तीसरी प्रक्रिया ज्वालामुखी गतिविधि है। पृथ्वी पर ज्वालामुखी लावा निकालकर कई गड्ढों को ढक देते हैं। चंद्रमा पर भी बहुत पहले ज्वालामुखी सक्रिय थे, जिन्होंने कुछ बड़े गड्ढों को ढका था, लेकिन पिछले तीन अरब वर्षों से वहां कोई ज्वालामुखी गतिविधि नहीं हुई है।

क्या 18 डिग्री सेल्सियस पर ही सबसे ज्यादा ठंडक देता है एसी? स्टैंडबाय मोड भी 'चुराता' है बिजली

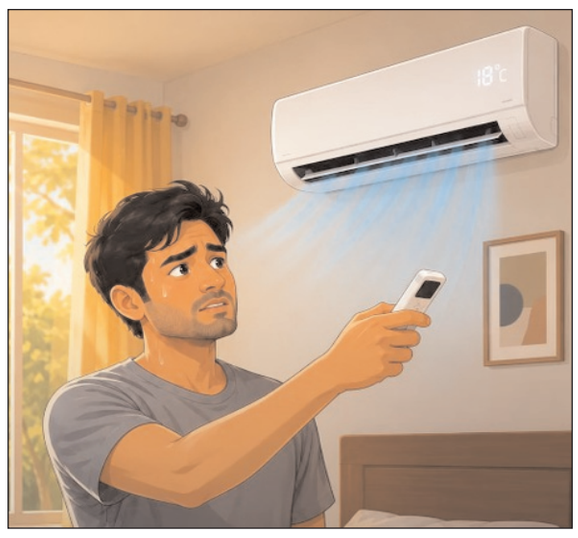

नई दिल्ली । देश भर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। ऐसे में कूलर, पंखे और एयर कंडीशनर (एसी) चलाने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। लेकिन एसी को लेकर लोगों के मन में कई भ्रम फैले हुए हैं। सबसे आम भ्रम यह है कि एसी तभी अच्छा कूलिंग देता है जब उसे 18 डिग्री सेल्सियस पर सेट किया जाए।

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इन भ्रमों को दूर करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, एसी को 24 डिग्री सेल्सियस पर सेट करने से कमरे में आरामदायक ठंडक मिलती है और बिजली की खपत भी काफी कम हो जाती है। हर एक डिग्री तापमान बढ़ाने से लगभग 6 प्रतिशत बिजली बचाई जा सकती है। यानी 18 डिग्री की जगह 24 डिग्री पर चलाने से आप बिना किसी असुविधा के बिजली बिल में अच्छी बचत कर सकते हैं।

एसी का सही उपयोग न सिर्फ बिजली बिल घटाएगा बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी मदद करेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में छोटी-छोटी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं। मंत्रालय का कहना है कि 'समझदारी से कूल रहें, जोर लगाकर नहीं।' एसी को बहुत कम तापमान पर चलाने से न सिर्फ बिजली ज्यादा खर्च होती है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। अचानक गर्मी से ठंडे कमरे में जाना सर्दी-जुकाम और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। एक और बड़ा भ्रम स्टैंडबाय मोड को लेकर है। कई लोग सोचते हैं कि टीवी या एसी को रिमोट से बंद करने के बाद वह बिजली नहीं खाता। लेकिन वास्तव में 'स्टैंडबाय मोड' में भी ये उपकरण लगातार बिजली खींचते रहते हैं। मंत्रालय ने सलाह दी है कि उपयोग के बाद एसी और टीवी का प्लग दीवार के सॉकेट से निकाल दें। इससे अनावश्यक बिजली की बर्बादी रुकेगी।

गर्मी के इस मौसम में ऊर्जा संरक्षण बेहद जरूरी है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे एसी का तापमान 24 डिग्री तक रखें, पर्दे बंद रखें ताकि बाहर की गर्मी अंदर न आए और कमरे का दरवाजा-खिड़की बंद रखें। साथ ही, एसी के फिल्टर समय-समय पर साफ करते रहें।

तंबाकू छोड़ते ही मिलने लगते हैं फायदे, सिर्फ 20 मिनट में दिखने लगता है असर

नई दिल्ली । तंबाकू और धूम्रपान को दुनिया भर में कई गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। यही वजह है कि हर साल 31 मई को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को तंबाकू के नुकसान और इससे छुटकारा पाने के लाभों के बारे में जागरूक किया जा सके।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि तंबाकू छोड़ने का फैसला जितना मुश्किल लगता है, उससे कहीं अधिक इसके फायदे हैं। खास बात यह है कि तंबाकू छोड़ने के केवल 20 मिनट बाद ही शरीर में सकारात्मक बदलाव शुरू हो जाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, तंबाकू में मौजूद निकोटिन शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करता है। इसके लंबे समय तक सेवन से कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग, स्ट्रोक और कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं, इसका असर परिवार और आसपास के

लोगों पर भी पड़ता है, क्योंकि चेन स्मोकिंग भी सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) लोगों से तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने की अपील करता है। मिशन के अनुसार, निकोटिन से दूरी बनाने के बाद शरीर खुद को धीरे-धीरे ठीक करना शुरू कर देता है। तंबाकू छोड़ने के मात्र 20 मिनट बाद ब्लड प्रेशर और हृदय गति सामान्य होने लगती है, जो शरीर के लिए पहला सकारात्मक संकेत माना जाता है। तंबाकू छोड़ने के 24 घंटे के भीतर शरीर से निकोटिन बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसके बाद 48 घंटे के अंदर स्वाद और सूंघने की क्षमता में सुधार महसूस होने लगता है। कई लोगों को भोजन का स्वाद पहले से बेहतर लगने लगता है और गंध पहचानने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लगभग दो महीने बाद फेफड़ों की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलता है। सांस लेने में आसानी होने लगती है और दैनिक गतिविधियों के दौरान थकान कम महसूस होती है। वहीं, तंबाकू छोड़ने के एक वर्ष बाद दिल के दौरे का खतरा लगभग आधा हो जाता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

लंबे समय में इसके फायदे और भी अधिक दिखाई देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तंबाकू छोड़ने के करीब 10 साल बाद फेफड़ों के कैंसर का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। यही कारण है कि किसी भी उम्र में तंबाकू छोड़ने का फैसला स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

तंबाकू की लत छोड़ने में कठिनाई महसूस करने वाले लोगों के लिए सहायता सेवाएं भी उपलब्ध हैं। नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए 1800-112-356 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

बार-बार खाने या भूखे रहने की आदत हो सकती है खतरनाक, जानें क्या है 'ईटिंग डिसऑर्डर'

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट दिखने और परफेक्ट बॉडी पाने की चाह कई बार लोगों को ऐसी आदतों की ओर धकेल देती है, जो धीरे-धीरे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती हैं। ऐसी ही एक समस्या है ईटिंग डिसऑर्डर, जिसे आमतौर पर सामान्य डाइटिंग या खाने की आदत समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि यह केवल भोजन से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि व्यक्ति की भावनाओं, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिति से गहराई से जुड़ा विकार है। समय रहते इसके संकेतों को पहचानना और सही मदद लेना बेहद जरूरी है, ताकि इसके गंभीर परिणामों से बचा जा सके।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने ईटिंग डिसऑर्डर को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। मिशन के अनुसार, ईटिंग डिसऑर्डर कोई साधारण खाने की आदत नहीं है बल्कि यह एक खामोश लड़ाई है जिसमें व्यक्ति खुद से ही दूर होता जा रहा होता है। कैलोरी गिनते-गिनते कई लोग अपनी मुस्कान, सुकून और आत्मविश्वास खो बैठते हैं।

ऐसे में मिशन आम लोगों से अपील करता है कि हर पतला दिखने वाला व्यक्ति स्वस्थ हो यह जरूरी नहीं होता। किसी को जज करने से पहले थोड़ी समझ और प्यार जरूर दें। एनएचएम ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक जागरूकता वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें एनआईएमएचएएनएस बेंगलुरु की डॉ. लक्ष्मी श्रावंती विस्तार से जानकारी देती नजर आईं। डॉ. लक्ष्मी श्रावंती, चाइल्ड एंड एडोलिसेंट साइकियाट्री विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

उन्होंने बताया, ईटिंग डिसऑर्डर मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर स्थितियां हैं, जिनमें व्यक्ति का भोजन और अपने शरीर की छवि यानी बॉडी इमेज के साथ संबंध अनहेल्दी हो जाता है। यह समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन युवाओं में ज्यादा देखी जाती है।

ईटिंग डिसऑर्डर के मुख्य कारण में समाज का दबाव (पतला या खास तरीके से दिखने का), आत्मविश्वास की कमी, मूड स्विंग्स या भावनात्मक उतार-चढ़ाव, वजन या दिखावट को लेकर बुलिंग, ज्यादा डाइटिंग करना या बार-बार खाना छोड़ने की आदत शामिल है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, यह समस्या सिर्फ खाने की नहीं है। इसमें व्यक्ति इमोशनली डिस्ट्रेस, शर्म और अपराधबोध से भी गुजरता है। कई बार व्यक्ति खुद को दंडित करने जैसा महसूस करता है। इससे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बुरी तरह प्रभावित होता है। ईटिंग डिसऑर्डर में व्यक्ति का वजन बहुत कम या बढ़ सकता है।

कंबोडिया ने हासिल किया 95-95-95 एचआईवी लक्ष्य, 2030 तक एड्स उन्मूलन की राह पर

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने एचआईवी के खिलाफ बड़ी बाधा पार कर ली है। पिछले वर्ष एचआईवी उपचार के लिए निर्धारित 95-95-95 लक्ष्य हासिल कर लिया है और वर्ष 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह जानकारी देश के स्वास्थ्य मंत्री चियांग रा ने दी।

इन लक्ष्यों का अर्थ है कि एचआईवी के साथ जी रहे 95 प्रतिशत लोगों को अपनी एचआईवी स्थिति की जानकारी हो। अपनी स्थिति जानने वाले 95 प्रतिशत लोग जीवनरक्षक एंटीरेट्रोवायरल (एआरटी) उपचार प्राप्त कर रहे हों। उपचार प्राप्त कर रहे 95 प्रतिशत लोगों में वायरस का स्तर इतना कम हो कि वह नियंत्रित (वायरली सप्रेस्ड) हो जाए।

एचआईवी वह वायरस है जो एड्स का कारण बनता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात बयान जारी किया। जिसके अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री ने

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि शुक्रवार को नोम पेन्ह में कंबोडिया, लाओस और मलेशिया के लिए यूएनएड्स की कंट्री डायरेक्टर पैट्रिशिया ऑनपिन के साथ बैठक के दौरान साझा की।

च्हेंग रा ने कहा, '95-95-95 लक्ष्यों की प्राप्ति कंबोडिया के राष्ट्रीय एड्स कार्यक्रम की प्रगति और प्रभाव का स्पष्ट प्रमाण है।'

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि कंबोडिया वर्ष 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

मंत्री ने यह भी कहा कि देश एचआईवी की रोकथाम, जांच और उपचार सेवाओं को स्वास्थ्य प्रणाली में और अधिक एकीकृत करेगा। साथ ही, प्री-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) और स्व-परीक्षण (सेल्फ-टेस्टिंग) सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही एड्स कार्यक्रमों के लिए वित्तीय संसाधनों की स्थिरता बढ़ाई जाएगी।

सिंहुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, ओंगपिन ने एड्स के खिलाफ कंबोडिया की उल्लेखनीय प्रगति पर बधाई देते हुए कहा कि यूएनएड्स अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 95-95-95 लक्ष्यों की उपलब्धि का औपचारिक सत्यापन और मान्यता देने की तैयारी करेगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया में लगभग 76,000 लोग एचआईवी/एड्स के साथ जीवन जी रहे हैं।

विश्व धूम्रपान निषेध दिवसः तंबाकू से हर साल भारत में 13 लाख लोगों की हो रही मौत

नई दिल्ली। हर वर्ष 31 मई को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को तंबाकू और धूम्रपान से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूक करना है। धूम्रपान आज विश्वभर में लाखों लोगों की मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। यह न केवल फेफड़ों, हृदय और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाता है बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस दिवस के माध्यम से लोगों को तंबाकू छोड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और आने वाली पीढ़ियों को इस घातक लत से बचाने का संदेश दिया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के

अनुसार, तंबाकू का सेवन कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग और स्ट्रोक सहित कई दीर्घकालिक बीमारियों का एक प्रमुख जोखिम कारक है।

यह भारत में मृत्यु और बीमारी के प्रमुख कारणों में से एक है और प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख मौतों का कारण बनता है।

भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक भी है। देश में विभिन्न प्रकार के तंबाकू उत्पाद बहुत कम कीमतों पर उपलब्ध हैं।

ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया 2016-17 के अनुसार, भारत में लगभग 26.7 करोड़ वयस्क तंबाकू का सेवन करते हैं। भारत में तंबाकू के सेवन का सबसे प्रचलित रूप धुआं रहित तंबाकू है और आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पाद खैनी, गुटखा, तंबाकू युक्त पान और जर्दा हैं।

सांस से लेकर पाचन तक की समस्या दूर करने में कारगर कटिचक्रासन, अभ्यास भी आसान

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस (21 जून) में अब एक महीने से भी कम समय रह गया है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार योग के महत्व को बढ़ावा देते हुए आम लोगों को रोजाना अलग-अलग योगासनों के फायदे बता रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने कटिचक्रासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

कटिचक्रासन सांस लेने की समस्याओं से लेकर पाचन संबंधी परेशानियों तक को दूर करने में बेहद कारगर माना जाता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन एक आसान लेकिन प्रभावी आसन है। इसे खड़े होकर किया जाता है।

नियमित अभ्यास से कमर की कमजोरी दूर होती है, लचीलापन बढ़ता है और शरीर की गतिशीलता बनी रहती है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि स्वस्थ वृद्धावस्था का मतलब केवल लंबी उम्र पाना ही नहीं है। बढ़ती उम्र में भी शारीरिक शक्ति, गतिशीलता, आत्मनिर्भरता और पूरी सेहत बनाए रखना जरूरी है। आजकल की व्यस्त जीवनशैली में कठोरता, कमर दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पाचन की कमजोरी और लचीलेपन की कमी आम समस्याएं बन गई हैं। ये समस्याएं धीरे-धीरे जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। कटिचक्रासन इन सभी समस्याओं से निपटने में मददगार साबित होता है। कटिचक्रासन के अभ्यास से मिलने वाले फायदों के बारे में बात करें तो यह कमर और रीढ़ को मजबूत बनाकर शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है। श्वसन क्रिया (सांस लेने की प्रक्रिया) को सुधारता और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। इसके अभ्यास से पीठ और कूल्हों की जकड़न कम होती है ।

अंडर-18 विमेंस हॉकी एशिया कप: भारतीय टीम ने किया जीत के साथ आगाज, मलेशिया को 2-1 से हराया

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय टीम ने अंडर-18 विमेंस हॉकी एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। शनिवार को पूल ए के अपने पहले मैच में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 2-1 से हराया।

15 साल की फॉरवर्ड नौशीन नाज मैच की स्टार बनकर उभरीं, उन्होंने भारत के लिए दोनों गोल किए। नाज को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। नाज के शानदार खेल ने भारत को तीन अहम पॉइंट दिलाने में मदद की।

शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे के डिफेंस को परखा, लेकिन किसी भी टीम के हाथ सफलता नहीं लग सकी। भारत ने ज्यादा पजेशन का फायदा उठाया और कई मौके बनाए, लेकिन मलेशिया का डिफेंस शुरुआती 15 मिनटों में भारतीय टीम को बढ़त लेने से रोकने में सफल रहा।

भारत की मेहनत आखिरकार दूसरे क्वार्टर में रंग लाई। 19वें मिनट में नौशीन ने पेनल्टी कॉर्नर के मौके का फायदा उठाया और मैच का पहला गोल दागा। युवा स्ट्राइकर ने सेट-पीस पर तेजी से रिएक्ट किया और गेंद को नेट में डालकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भी भारत ने लगातार अटैक जारी रखे और हाफ टाइम से ठीक पहले नौशीन नाज ने टीम के लिए दूसरा गोल किया। मैच के 28वें मिनट में उन्होंने मलेशियाई गोलकीपर को छकाते हुए एक तेज फिनिश किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया।

ब्रेक के बाद मलेशिया ने वापसी की काफी कोशिश की और टीम आक्रामक खेल खेलती हुई नजर आई। मलेशिया को मैच में पहली सफलता 41वें मिनट में मिली, जब नूर अजली ने भारतीय डिफेंस और गोलकीपर को छकाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। इस गोल के बाद मलेशिया की टीम ऊर्जा से भरी दिखाई दी और उन्होंने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को दूसरा गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। बैकलाइन ने कई अटैकिंग मूव्स को सफलतापूर्वक नाकाम किया। इस से भारत पूल ए में कोरिया के बाद दूसरे नंबर पर आ गया है। दोनों टीमों ने अपने शुरुआती मैचों से तीन-तीन पॉइंट हासिल किए हैं।

सिंगापुर ओपन 2026: मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को हराकर मेंस डबल्स के फाइनल में पहुंची सात्विक-चिराग की जोड़ी

सिंगापुर । भारत की शीर्ष मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को सिंगापुर ओपन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड सीरीज सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने कोरिया के वर्ल्ड चैंपियन किम वोन हो और सियो सेउंग जे के खिलाफ 21-19, 21-18 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 52 मिनट तक चला।

भारतीय जोड़ी ने इस साल के अपने दूसरे वर्ल्ड टूर फाइनल में जगह बनाई है। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट इस साल की शुरुआत में थाईलैंड ओपन में उप-विजेता रहे थे।

सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग ने कोरियन जोड़ी के खिलाफ दोनों गेम में शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद शानदार वापसी की। भारतीय जोड़ी पहले गेम में 8-13 और फिर 13-17 से पीछे चल रही थी, लेकिन दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा और गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 11-14 से पिछड़ रही थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल करके 17-14 की बढ़त बनाई और फिर उस बढ़त को बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाई। सात्विक और चिराग अब दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे, जो पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क के मैथियास क्रिस्टियनसेन/अलेक्जेंडर बोए और चीन के गाओ जिया जुआन/वेई या शिन के बीच खेला जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी बनेंगे झारखंड स्वास्थ्य विभाग के ब्रांड एंबेसडर, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने की घोषणा

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने युवा क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी को बड़ा सम्मान देने की घोषणा की है। मात्र 15 वर्ष की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबको हैरान करने वाले इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर को झारखंड सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा और उन्हें राज्य स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और अदम्य आत्मविश्वास से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बिहार के इस युवा खिलाड़ी ने महज 15 साल की उम्र में बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धुनाई कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, 'वैभव, भले ही आपकी टीम मैच हार गई हो, लेकिन आपने लाखों भारतीयों का दिल पहले ही जीत लिया है। मैं खुद एक क्रिकेटर रहा हूं, लेकिन इतनी कम उम्र में बड़े गेंदबाजों का इस आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ सामना करना वाकई असाधारण है। आपने न सिर्फ अपना नाम रोशन किया है, बल्कि अपने माता-पिता, बिहार और पूरे हिंदुस्तान को गौरवान्वित किया है।'

स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि युवा ऊर्जा, कड़ी मेहनत, अनुशासन और संघर्ष का जीता-जागता प्रतीक हैं। उनकी सफलता ने लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। डॉ. अंसारी ने कहा, 'वैभव की प्रतिभा और सकारात्मक सोच ने मुझे बेहद प्रभावित किया है। स्वास्थ्य विभाग युवाओं के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश फैलाने के लिए वैभव के साथ मिलकर काम करेगा।'

वैभव सूर्यवंशी को ब्रांड एंबेसडर बनाने का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम और अनुशासित दिनचर्या के प्रति प्रेरित करना है। स्वास्थ्य विभाग वैभव के साथ मिलकर विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों, जैसे पोषण, व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य और तंबाकू मुक्ति को प्रभावी ढंग से चलाएगा।

डॉ. इरफान अंसारी ने विश्वास जताया कि वैभव आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और देश लंबे समय तक उन पर गर्व करता रहेगा।

झारखंड सरकार जल्द ही वैभव सूर्यवंशी के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें आधिकारिक रूप से सम्मानित करेगी।

आईपीएल 2026: खिताबी मुकाबले में आरसीबी की जीटी से भिड़ंत, जानें हेड टू हेड रिकॉर्ड?

नई दिल्ली। 70 लीग मैच, एलिमिनेटर और दो क्वालीफायर के बाद 'आईपीएल 2026' के खिताबी मुकाबले के लिए दो टीम मिल चुकी हैं। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत गुजरात टाइटंस (जीटी) के साथ होगी।

दोनों ही टीमें दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। फाइनल मुकाबला शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। आईपीएल के इतिहास में आरसीबी और जीटी के बीच अब तक कुल 9 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 5 मुकाबलों में जीत आरसीबी को मिली है, जबकि 4 मैच जीटी ने जीते हैं। यानी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। पहले क्वालिफायर में आरसीबी, जीटी पर हावी रही थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 254 रन लगाए थे।

टीम की ओर से रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 33 गेंदों में 93 रनों की तूफानी पारी खेली थी। वहीं, क्रुणाल पांड्या ने 43 और विराट कोहली ने महज 25 गेंदों में 43 रनों की दमदार पारी खेली थी। हालांकि, इसके जवाब में गुजरात टाइटंस की पूरी टीम सिर्फ 162 रन बनाकर सिमट गई थी। जीटी की तरफ से राहुल तेवतिया ने सर्वाधिक 68 रन बनाए थे। ऐसे में जीटी पहले क्वालीफायर में मिली हार का हिसाब चुकता करना चाहेगी।

गुजरात टाइटंस को अपने घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा भी मिल सकता है। इसके साथ ही शुभमन गिल की अगुवाई में जीटी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में धमाकेदार जीत दर्ज करके फाइनल में पहुंची है। शुभमन गिल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब पारी खेली थी।

हॉकी: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे मैच में हारी भारतीय महिला टीम, सीरीज 2-2 से बराबर रही

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए चार मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए दूसरे ही मिनट में 1-0 की बढ़त बना ली। नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर ऑस्ट्रेलिया पर शुरुआती दबाव डाला। दूसरे क्वार्टर में, दीपिका सोरेंग (23') ने एक शानदार गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ-टाइम तक स्कोर 2-0 ही रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की और एब्बी विल्सन (42') और ओलिविया डाउन्स (44') ने कुछ ही समय के अंतराल में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। मैच के आखिरी मिनटों में कोर्टनी शोनल (58') के गोल ने मेजबान टीम को न सिर्फ बढ़त दिलायी बल्कि 3-2 से जीत भी दिला दी।

भारतीय टीम के लिए यह दौरा सकारात्मक रहा है। सीरीज के पहले मैच में हार के बाद भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की थी और अगले 2 मैच जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली थी। दूसरा मैच भारतीय टीम ने शूटआउट में 4-2 से, जबकि तीसरा मैच 2-0 से जीता था। दोनों मैचों में भारतीय टीम ने जबरदस्त जुझारूपन, रणनीतिक अनुशासन और दमदार आक्रमण का प्रदर्शन किया। चौथे मैच की शुरुआत भी भारतीय टीम ने उसी अंदाज में की, लेकिन मैच के आखिरी हाफ में ऑस्ट्रेलिया भारी पड़ गई और मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर लिया। भारतीय टीम को इस सीरीज से मिले अनुभवों का फायदा न्यूजीलैंड में होने वाले एफआईएच नेशंस कप में मिलेगा।

इससे पहले अर्जेंटीना में भी भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था।

अल्ट्रा रनिंग में भारतीय एथलीटों का जलवा, लगातार तीसरी बार जीता एशिया-ओशिनिया चैंपियनशिप का खिताब

हिरोसाकी । भारत ने अल्ट्रा रनिंग में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए जापान के हिरोसाकी में हुई आईएयू 24-घंटे एशिया और ओशिनिया चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दमदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और भारत को इस खेल में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित किया।

पुरुषों की 24-घंटे दौड़ में भारत ने इतिहास रच दिया। टीम ने न सिर्फ गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज तीनों मेडल अपने नाम किए, बल्कि पूरे व्यक्तिगत पोडियम पर कब्जा जमाया। अमर सिंह देवंदा ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 282.881 किलोमीटर (226 लैप) की दूरी तय की और गोल्ड मेडल जीता। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने नया भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। गीनो एंटनी ने 272.894 किलोमीटर (218 लैप) दौड़कर सिल्वर मेडल हासिल किया। सौरव कुमार रंजन ने 260.058 किलोमीटर (208 लैप) की दूरी तय कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

फ्रेंच ओपन 2026: उलटफेर का शिकार हुए नोवाक जोकोविच, फोंसेका ने रोमांचक मुकाबले में हराया

पेरिस। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने बड़ा उलटफेर करते हुए तीन बार की चैंपियन नोवाक जोकोविच को तीसरे राउंड में हराकर फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर कर दिया। दो सेट से पिछड़ने के बाद फोंसेका ने मुकाबले में जबरदस्त वापसी की और हर किसी को अपने खेल से चौंका दिया।

पहले दो सेट के बाद फोंसेका के चेहरे पर निराशा दिख रही थी, जबकि जोकोविच दोनों सेट जीतकर मैच पर पूरी तरह से दबदबा बनाए हुए थे। हालांकि, ब्राजील के खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच को 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हरा दिया।

क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में यह दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है।

जोकोविच से पहले जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। नतीजतन, पुरुषों के सिंगल्स मुकाबले में अब खिताब जीतने की दौड़ और ज्यादा खुली हो गई है, और कई खिलाड़ियों के पास जीतने का अच्छा मौका है। फोंसेका ने लगभग 4 घंटे 53 मिनट तक चले लंबे और कड़े मैच में जीत दर्ज की।

चौथे सेट में 3-4, 15/40 पर सर्व करते समय फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे, लेकिन 28वीं वरीयात प्राप्त वाले खिलाड़ी ने उन दो ब्रेक पॉइंट को रोक दिया और उस मोमेंटम का फायदा उठाते हुए जोकोविच को निर्णायक सेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया। मैच के दौरान जोकोविच कई बार थके हुए और शारीरिक रूप से परेशान नजर आए। इसके बावजूद 39 वर्षीय खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और निर्णायक पांचवें सेट में शुरुआत में ही 3-1 की बढ़त हासिल कर ली।

फोंसेका ने फिर से वापसी की। उन्होंने आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत हासिल की। 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंड्री रुबलेव को हराने के बाद, यह किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी दूसरी जीत है। जोकोविच के खिलाफ अपने पहले टूर-लेवल मुकाबले में जीत हासिल करके फोंसेका ने इतिहास रच दिया।

विनेश फोगाट ने पास किया वजन-माप, एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में 53 किलोग्राम में लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली । भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में महिलाओं के 53 किलोग्राम कैटेगरी के लिए वजन-माप (वेट-इन) टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लिया। विनेश अब एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में 53 किलोग्राम की कैटेगरी में हिस्सा लेंगी।

अधिकारियों के मुताबिक, विनेश फोगाट उन सभी योग्य पहलवानों में शामिल थीं, जिन्होंने तय समय पर वजन-माप के लिए रिपोर्ट किया और जरूरी औपचारिकताएं पूरी कीं। इस प्रक्रिया को पूरा करने के बाद वह अब जल्द शुरू होने वाले सिलेक्शन ट्रायल में भाग लेने के लिए पात्र हो गई हैं।

रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने एक बयान में कहा, 'तय शेड्यूल के अनुसार, नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल के लिए महिलाओं की 53 किलोग्राम कैटेगरी सहित सभी वजन कैटेगरी के लिए वजन माप किया गया। विनेश फोगाट सहित सभी योग्य पहलवानों ने वजन-माप के लिए रिपोर्ट किया और जरूरी औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके अनुसार, तय जरूरतों को पूरा करने वाले सभी योग्य पहलवानों को सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए क्लियर कर दिया गया है।'

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ओलंपियन विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगाने से मना कर दिया था।

इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने जोर देकर कहा था कि उन्हें सिर्फ 50 किलोग्राम की वजन कैटेगरी में हिस्सा लेने दिया जाएगा, जिसमें उन्होंने दो साल पहले पेरिस में हिस्सा लिया था। डब्ल्यूएफआई ने दिल्ली हाई कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

डब्ल्यूएफआई के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया था, 'विनेश फोगाट को 50 किलोग्राम कैटेगरी में ट्रायल में हिस्सा लेना होगा, वही वेट क्लास जिसमें उन्होंने पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415